राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात



स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार, 06 मार्च 2026
वर्ष 14, अंक 313, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

युवक पर जानलेवा हमला 12-15 बदमाशों ने लाठी-डंडों से पीटा, जान से मरने का किया प्रयास...03

दिल्ली एयरपोर्ट पर फंसे यात्रियों को डायल ने दी राहत, मिडिल ईस्ट संकट के बीच मिल रही सुविधाएं...04

## भ्रष्टाचार के दोषी सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता व सहायक को चार-चार साल की सजा, सजा सुनते ही दया की करने लगे गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बादशाहपुर (गुरुग्राम)।** ठेकेदार के रूप में पंजीकरण करने के बदले रिश्वत मांगने के आरोपित सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता नवीन कुमार यादव एवं सहायक चंद्रशेखर को दोषी ठहराते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनील चौहान की अदालत ने दो मार्च को चार-चार साल की सजा सुना दी। दोनों को पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

**सार्वजनिक पद की गरिमा प्रभावित**

अदालत ने आदेश में कहा कि जुर्माने की राशि जमा न करने की स्थिति में दोनों दोषियों को छह-छह महीने और जेल में रहना होगा। सजा सुनाने के दौरान टिप्पणी करते हुए अदालत ने कहा कि लोकसेवकों को वैधानिक जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं। उनसे निष्पक्षता व ईमानदारी की अपेक्षा की जाती है, लेकिन दोषियों ने ऐसा आचरण किया जिससे प्रशासनिक व्यवस्था में जनता का विश्वास कमजोर हुआ। सार्वजनिक पद की गरिमा प्रभावित हुई।

**दोनों को 10-10 हजार रुपये दे दिए**

दरअसल, गांव भोंडसी के रहने वाले अनंतराम ने एंटी करप्शन ब्यूरो के गुरुग्राम कार्यालय में 16 दिसंबर 2022 को शिकायत दी थी। शिकायत




में कहा था कि उन्होंने एक वर्ष पहले ठेकेदार के रूप में पंजीकरण कराने के लिए आवेदन सिंचाई विभाग में आवेदन किया था। उनकी फाइल सिंचाई विभाग के सेक्टर-14 कार्यालय में कार्यकारी अभियंता नवीन कुमार के पास लंबित थी। जब लंबित होने का कारण पूछा तो कार्यकारी अभियंता नवीन कुमार यादव एवं सहायक चंद्रशेखर ने रिश्वत के रूप में 35 हजार रुपये की मांग की। इस पर उन्होंने दोनों को 10-10 हजार रुपये दे दिए।

**तब एंटी करप्शन ब्यूरो ने जाल बिछाया**

इसके बाद भी फाइल नहीं निकाली गई और पैसे की मांग की जाती रही। कहा गया जब पैसे पूरे नहीं होंगे तब तक फाइल लंबित रहेगी। पूरा मामला समझने के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो ने जाल बिछाकर रिश्वत लेते हुए चंद्रशेखर को गिरफ्तार किया। चंद्रशेखर से पूछताछ के आधार नवीन कुमार यादव को भी गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में साक्ष्य व गवाहों के बयान के आधार पर जिला अदालत ने आरोपितों को दोषी ठहराते हुए सजा सुना दी। शिकायतकर्ता ने कार्यकारी अभियंता एवं सहायक से बातचीत की रिकॉर्डिंग भी कर ली थी। इस वजह से बचाव की कोई गुंजाइश नहीं बची।

**सजा सुनाए जाने के दौरान दोनों गिड़गिड़ाते रहे**

सजा पर बहस के दौरान चंद्रशेखर (41 वर्ष) ने दलील दी कि वह दो नाबालिग बेटियों, पत्नी और वृद्ध माता-पिता का एकमात्र कमाने वाला एक सदस्य है। उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। नवीन कुमार यादव (36 वर्ष) ने भी पारिवारिक जिम्मेदारियों और पूर्व में किसी आपराधिक मामले में संलिप्त न होने का हवाला देते हुए दया की प्रार्थना की। दोनों की बातों को अदालत ने एक सिरे से खारिज करते हुए लोक अभियोजक ने तर्क दिया कि सार्वजनिक सेवकों द्वारा रिश्वत लेना कानून के शासन को कमजोर करता है। ऐसे मामलों में कठोर दंड आवश्यक है ताकि समाज में बेहतर संदेश जाए। अदालत ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कहा कि भ्रष्टाचार से प्रशासनिक तंत्र की साख को गंभीर क्षति पहुंचती है, इसलिए ऐसे अपराधों से सख्ती से निपटना आवश्यक है।

**दो महीने के दौरान चार को सजा**

दो महीने के दौरान भ्रष्टाचार के मामले में चार अधिकारियों व कर्मचारियों को सजा सुनाए जाने से साफ है कि एंट्री करप्शन ब्यूरो जीरो टालरेंस को ध्यान में रखकर काम कर रहा है। आरोपितों को बचाव का रास्ता न मिले, वे शिकायतकर्ता को प्रभावित न कर सकें, इसके ऊपर भी ब्यूरो ध्यान दे रहा है। इससे बड़े-बड़े अधिकारी बच नहीं पा रहे हैं। दो महीने पहले भी जिला अदालत ने जीएसटी नंबर जारी करने के बदले रिश्वत लेने के आरोपित आबकारी एवं कराधान निरीक्षक (इंस्पेक्टर) सुमित्रा गोदारा एवं आबकारी एवं कराधान अधिकारी (ईटीओ) रोशनलाल को पांच-पांच साल की कैद व दो-दो लाख लाख रुपये का जुर्माने लगाकर भ्रष्टाचार के मामले में सख्त संदेश दिया था। दोनों अदालत के सामने गिड़गिड़ाते रहते लेकिन उनकी एक न सुनी गई।

## अखिलेश ने सरकार पर साधा निशाना, कहा- अंतरराष्ट्रीय हालात पर केंद्र की चुप्पी चिंताजनक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता



**लखनऊ-** समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अमेरिकी-इज़राइली हमलों और उससे पैदा हुए अंतरराष्ट्रीय हालात को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इन हमलों का प्रभाव हिंद महासागर और भारत की सीमाओं के करीब तक पहुंचना देशवासियों के लिए चिंता का विषय है, लेकिन इस गंभीर मुद्दे पर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने अभूतपूर्व चुप्पी साध रखी है।

**वैश्विक मुद्दे पर मजबूर होकर बोल रहा है विपक्ष**

यादव ने गुरुवार को एक्स पर लिखा, 'स्पष्ट किया जाए कि इसे'चुप्पी'माना जाए या किसी विशेष भय के कारण इसे'घिग्घी बँधना'माना जाए। भाजपा सरकार की ऐसी क्या मजबूरी है कि उनके होंठ किसी ने सिल दिये हैं। जनता पूछ रही है कि आपका कौन सा पत्ता दबा है। उन्होंने कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा होने के नाते ये देश की सरकार, विदेश मंत्रालय डिफेंस मिनिस्टरी का संयुक्त दायित्व बनता है कि उसे अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए, परंतु कई दिनों की प्रतीक्षा के बाद भी सरकार द्वारा मुँह न खोलने पर, इस वैश्विक मुद्दे पर विपक्ष को मजबूर होकर बोलना पड़ रहा है।

**देश में सरकार नाम की कोई चीज़ ही नहीं**

सपा अध्यक्ष ने कहा कि इस संकटकाल में सरकार आगे आए और देश की जल, थल, वायु सीमाओं की रक्षा सुनिश्चित करे। जो भाजपा सरकार कुछ कह भी नहीं रही है; वो करेगी क्या, ये सोचकर देशवासी परेशान हैं। भाजपा ने जनता का विश्वास खो दिया है। ऐसा लग रहा है कि देश में सरकार नाम की कोई चीज़ ही नहीं है।

**अपनी नाकामियों से ध्यान भटकाने का तरीका ढूंढ रही बीजेपी**

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अपनी नाकामियों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए अस्पष्ट नीति अपनाने का तरीक़ा ढूँढ रही है, जिससे लोग अटकलों में ही उलझे रहें। भाजपाई आगामी संसद सत्र में भी ऐसा कोई विवादास्पद विषय ज़रूर उठाएंगे, जिससे भाजपा सरकार की विफलताओं पर बात ही न हो सके। उन्होंने कहा कि देश के लिए ये समय'सरकार-शून्यता'का काल है।

## डिप्टी चीफ मिनिस्टर कोई बड़ा पद नहीं...बस एक रबर-स्टैम्प है और इसमें कोई असली पावर नहीं हैः सपा नेता एस.टी. हसन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ-** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा चुनाव के लिये नामांकन पत्र दाखिल किए जाने के बाद राजनीतिक बयान बाजी तेज हो गई है। इसे लेकर समाजवादी पार्टी के नेता एस.टी. हसन ने नीतीश समेत भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि BJP अपना मुख्यमंत्री बनाएगी, इसीलिए ऐसा हो रहा है। डिप्टी चीफ मिनिस्टर कोई बड़ा पद नहीं है; यह उनके हाथ में बस एक रबर-स्टैम्प है और इसमें कोई असली पावर नहीं है।

**JDU को खत्म करने की साजिश- तेजस्वी यादव**

इसे लेकर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के नेता तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बीजेपी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (JDU) को खत्म करने की साजिश रच रही है। उन्होंने कहा कि सब जानते हैं कि बिहार के चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने नारा दिया था - '2025 से 30 फिर से नीतीश।

**तेजस्वी यादव बोले- नीतीश**



**कुमार को 'हाईजैक' कर ली बीजेपी**

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और राजग के घटक दल जानते हैं कि किस प्रकार तंत्र-मंत्र और पूरे सिस्टम का इस्तेमाल कर चुनाव लड़ा गया। उन्होंने कहा, ''उस समय भी हमने कहा था कि भाजपा के लोगों ने नीतीश कुमार को 'हाईजैक' कर लिया है और उन्हें दोबारा कुर्सी पर बैठने नहीं देंगे। हमने कहा था कि वे छह महीने से ज्यादा कुर्सी पर नहीं रहेंगे। भाजपा जिसके साथ भी रही है, उसे बर्बाद करने का काम किया है। भाजपा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दलित और आदिवासी विरोधी पार्टी है।

**नीतीश सहित पांच उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र किया दाखिल**

आप को बता दें कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से पांच उम्मीदवारों ने गुरूवार को राज्यसभा चुनाव के लिये नामांकन पत्र दाखिल किया। राजग की ओर से जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री कुमार और मौजूदा राज्यसभा सदस्य रामनाथ ठाकुर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, शिवेश कुमार और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने नामांकन पत्र दाखिल किया।

**बिहार से राज्यसभा की पांच सीटों पर होगा चुनाव**

गौरतलब है कि बिहार से राज्यसभा की पांच सीटें रिक्त हो हैं। इनमें से दो-दो सीटें जदयू और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की हैं, जबकि एक रालोमो की है। केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर और राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश जदयू के मौजूदा सदस्य हैं, जबकि अमरेंद्र धारी सिंह और प्रेमचंद गुप्ता राजद के हैं। रालोमो अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा एक और मौजूदा सदस्य हैं, जिनका कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो जाएगा। इन पांच सदस्यों के कार्यकाल अगले माह समाप्त हो रहे हैं, इसके कारण इन सीटों पर राज्यसभा चुनाव हो रहा है।

## संक्षिप्त ख़बरें

### IIT कानपुर अब निजी कंपनियों के साथ करेगा करार, शोध और नवाचार को मिलेगा बढ़ावा



**कानपुर।** आइआइटी अब अकादमिक शोध और नवाचार कार्यक्रमों में निजी कंपनियों का भी सहयोग हासिल करेगा। हेल्थकेयर, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए नवाचार और अनुसंधान कार्यों के लिए सरकार से मिलने वाले फंड पर निर्भरता को कम किया जाएगा। इसके स्थान पर कारपोरेट सोशल रिस्पान्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड का प्रयोग किया जाएगा। सीएसआर फंड जुटाने के लिए आइआइटी की ओर से 31 मार्च तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। जिससे समाज की बुनियादी समस्याओं को दूर किया जा सकेगा। आइआइटी ने अब ऐसी कंपनियों के साथ साझेदारी की योजना बनाई है जो अपने विशेष दृष्टिकोण को उच्च-प्रभाव और विस्तार योग्य परिणामों में बदलना चाहती हैं।

**छात्रों की प्रतिभा का विशेष योगदान**

निजी कंपनियों के लिए संस्थान के विभिन्न विभागों ने ऐसे कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की है जो राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप हैं। इनमें संकाय विशेषज्ञों की विशेषज्ञता और छात्रों की प्रतिभा का विशेष योगदान है। आइआइटी से मिली जानकारी के अनुसार इस तरह के प्रोजेक्ट को लेकर संस्थान की टीम की ओर से देश और विदेश के प्रमुख व्यवसाय घरानों से संपर्क किया जा रहा है। इस रिपोर्ट में आइआइटी के उन अनुसंधान कार्यों को भी शामिल किया गया है जिनसे संस्थान को विशिष्ट पहचान मिली है। इसमें एआइ , क्वांटम तकनीक, साइबर सुरक्षा, और सेमीकंडक्टर्स ,एआइ-आधारित पीएम शिकायत पोर्टल, स्वदेशी यूएवी (ड्रोन) और सस्ती मेडिकल तकनीक तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम में एसआइआइसी के माध्यम से 210 से अधिक स्टार्टअप और नवाचारों को बढ़ावा दिया गया है। आइआइटी ने अपने इस अभियान के बारे में इंटरनेट मीडिया पर आह्वान भी किया है।

## रंग से भरा गुब्बारा लगने पर कर दिया मर्डर, युवक को पीट-पीटकर मार डाला, इलाके में तनाव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होली के दिन दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के उत्तम नगर के जेजे कॉलोनी इलाके में दो परिवारों के बीच जमकर झड़प हुई, जिसमें 26 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई. वहीं कई घायल हो गए. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्ट के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुटी है. पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच से पता चलता है कि झगड़ा रंगीन पानी से भरे गुब्बारे से छींटे पड़ने की वजह से हुआ था।

पुलिस के अनुसार इलाज के दौरान युवक की अस्पताल में मौत हो गई. मृतक की पहचान 26 वर्षीय तरुण के रूप में की गई. होली के दिन दिल्ली के उत्तम नगर इलाके की जे जे कॉलोनी में मुस्लिम समुदाय के एक शख्स पर रंगों का गुब्बारा लग गया है, जिससे उसने तरुण नाम नाम के युवक की हत्या कर दी. बताया जा रहा है कि तरुण बजरंग दल से जुड़ा हुआ था. घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन हुआ है।

**कैसे शुरू हुई झड़प?**

पुलिस के मुताबिक घटना बुधवार को हुई जब इलाके के दो परिवारों के सदस्यों के बीच लड़ाई हो गई. इस झड़प में दोनों तरफ के कई लोग घायल हो गए. मृतक के परिजनों ने बताया कि घर की छत पर होली खेल रही 11 साल की लड़की ने नीचे अपने रिश्तेदारों पर पानी का गुब्बारा फेंका. गुब्बारा सड़क पर गिरा और फट गया, जिससे दूसरे परिवार की एक महिला पर रंग का पानी गिर गया, जो दूसरे समुदाय की थी. परिजनों के औरत ने कथित तौर पर गालियां देना शुरू कर दिया और इस घटना को लेकर लड़ाई शुरू कर दी. उन्होंने दावा किया कि हालांकि मामला शांत हो गया था, लेकिन बाद में दूसरे परिवार के लोग इकट्ठा हो गए और कथित तौर पर तरुण पर हमला किया, जब वह होली मनाकर रात करीब 11 बजे घर लौट रहा था।

**कैसे हुई तरुण की मौत?**

परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि दूसरे समुदाय के परिवार ने लाठी डंडों से तरुण की जमकर पिटाई की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर उसको मृत घोषित कर दिया. बताया जा रहा है कि तरुण बजरंग दल से भी जुड़ा हुआ था, जिसके बाद अस्पताल में भी तरुण के रिश्तेदारों ने जमकर हंगामा किया।

अलग-अलग समुदाय में मारपीट की इस घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति है. जिस कारण पुलिस की तैनाती की गई है.एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (द्वारका) निहारिका भट्ट के अनुसार हमें यह पता चला है कि लड़ाई गुब्बारे फेंकने को लेकर हुई थी और हम मामले की जांच कर रहे हैं. स्नढ्ढक्रदर्ज की गई और कुछ लोगों को पकड़ा है. आगे की जांच चल रही है।

## राज्यसभा जाने से पहले नीतीश कुमार ने बीजेपी के सामने रखी बड़ी शर्त, इस पद पर ठोका दावा!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**पटना-** नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबरों के बीच बिहार के सियासी गलियारे से एक बड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है. सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के गृह विभाग पर फिर से दावा ठोका है. सूत्रों के अनुसार नीतीश कुमार ने जेडीयू के लिए बड़ा दावा करते हुए गृह मंत्रालय की मांग उठाई है. बताया जा रहा है कि जेडीयू ने बीजेपी के सामने साफ संकेत दिया है कि राज्य की कानून-व्यवस्था से जुड़ा गृह विभाग फिर से उसे मिलना चाहिए।

दरअसल पिछले करीब 20 वर्षों से बिहार में एनडीए सरकार के दौरान गृह मंत्रालय आमतौर पर नीतीश कुमार के पास ही रहा है. लेकिन हालिया विधानसभा चुनाव के बाद विभागों के बंटवारे में गृह मंत्रालय बीजेपी के खाते में चला गया था, जिसके बाद से जेडीयू के भीतर असंतोष की चर्चा चल रही थी. सूत्रों के अनुसार, आगामी



राजनीतिक समीकरण और संगठनात्मक बदलावों के बीच जेडीयू ने अब फिर से गृह विभाग की जिम्मेदारी लेने की इच्छा जताई है. सूत्रों के अनुसार नीतीश कुमार ने बीजेपी के सामने अपनी मांग रख दी है. माना जा रहा है कि एनडीए के भीतर इस मुद्दे पर जल्द ही बातचीत हो सकती है।

**बिहार में बदलने वाला है सरकार का फॉर्मूला!**

बता दें, फिलहाल बिहार में एनडीए सरकार का मौजूदा ढांचा ऐसा है कि जेडीयू का मुख्यमंत्री है और भाजपा के दो डिप्टी सीएम हैं. लेकिन नीतीश कुमार राज्यसभा चले जाते हैं तो सत्ता का यह समीकरण पूरी तरह बदल सकता है. राजनीतिक सूत्रों के अनुसार भविष्य में भाजपा का मुख्यमंत्री और जेडीयू के दो डिप्टी सीएम वाला नया फॉर्मूला सामने आ सकता है. अगर ऐसा होता है तो यह बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव माना जाएगा. पिछले कई वर्षों से बिहार में जेडीयू के नेतृत्व में सरकार चलती रही है, लेकिन अब भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनने की संभावना पर भी चर्चा तेज हो गई है।

**फिलहाल सम्राट चौधरी के पास गृह विभाग**

अगर मुख्यमंत्री पद खाली होता है तो सम्राट चौधरी की दावेदारी सबसे मजबूत मानी जा रही है. इसकी सबसे बड़ी वजह बिहार विधानसभा में भाजपा का संख्या बल है. भाजपा के पास करीब 89 विधायक हैं, जिससे वह एनडीए में सबसे बड़ी पार्टी है. ऐसे में मुख्यमंत्री पद पर भाजपा का दावा स्वाभाविक माना जा रहा है. सम्राट चौधरी फिलहाल राज्य के डिप्टी सीएम हैं और गृह विभाग की जिम्मेदारी भी उनके ही पास है।

## बंगाल में चुनाव से पहले बड़ी हलचल, राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने दिया इस्तीफा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने गुरुवार को राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया है. राज्यपाल गुरुवार को दिल्ली में थे. दिल्ली दौरे के दौरान ही सीवी आनंद बोस ने राज्यपाल पद से अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेज दिया. प्राप्त जानकारी के अनुसार तमिलनाडु के राज्यपाल सीवी रवि को अस्थायी रूप से बंगाल के राज्यपाल का दायित्व सौंपा गया है पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले राज्यपाल का इस्तीफा सियासी रूप से काफी अहम माना जा रहा है. राज्यपाल पद से इस्तीफा देने के बाद सीवी आनंद बोस ने पीटीआई को बताया कि मैंने गवर्नर के ऑफिस में काफी समय बिताया है. जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति बनने के बाद सीवी आनंद बोस को 23 नवंबर, 2002 को पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया गया था. वह करीब तीन साल पांच महीने तक इस पद पर रहे. राज्यपाल के तौर पर आनंद बोस शुरू से ही राज्य के कई मुद्दों पर मुखर रहे. वह पश्चिम बंगाल सरकार की ममता बनर्जी की सरकार की नीतियों की लगातार आलोचना करते रहे हैं. उनके कार्यकाल के दौरान, कई मुद्दों पर राज्य और राज्यपाल के बीच टकराव बढ़ गया।

**राज्यपाल के इस्तीफे से हैरान हूं... बोलीं ममता**

दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्यपाल के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल के गवर्नर सीवी आनंद बोस के अचानक इस्तीफे की खबर से मैं हैरान और बहुत



परेशान हूं. उन्होंने कहा कि उनके इस्तीफे के पीछे की वजहें मुझे अभी पता नहीं हैं. हालांकि, मौजूदा हालात को देखते हुए, मुझे हैरानी नहीं होगी अगर आने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से ठीक पहले गवर्नर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने कुछ राजनीतिक फायदे के लिए दबाव डाला हो. केंद्रीय गृह मंत्री ने अभी मुझे बताया कि आरएन रवि को पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनाया जा रहा है. उन्होंने इस बारे में तय रिवाज के मुताबिक मुझसे कभी सलाह नहीं ली. उन्होंने कहा किऐसे काम भारत के संविधान की भावना को कमजोर करते हैं और हमारे फेडरल स्ट्रक्चर की बुनियाद पर ही हमला करते हैं. केंद्र को कोऑपरेटिव फेडरलिज्म के सिद्धांतों का सम्मान करना चाहिए और ऐसे एकतरफा फैसले लेने से बचना चाहिए जो लोकतांत्रिक रिवाजों और राज्यों को कमजोर करते हैं।

**रवि अस्थायी राज्यपाल नियुक्त, स्टालिन से रहा है टकराव**

आरएन रवि को पश्चिम बंगाल का अंतरिम गवर्नर बनाया गया है. वे अभी तमिलनाडु के गवर्नर हैं. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के साथ उनका टकराव जगजाहिर है. इससे पहले रवि सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी CBI और IB (इंटेलिजेंस ब्यूरो) में थे. पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले एक पूर्व IPS ऑफिसर को अंतरिम गवर्नर का चार्ज दिया जाना अहम माना जा रहा है. पिछले कुछ सालों में आरएन रवि का बीजेपी विरोधी स्टालिन सरकार से कई बार टकराव हुआ है. पिछले साल स्वतंत्रता दिवस पर उस राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन ने ऐलान किया था कि तमिलनाडु के गवर्नर रवि की टी पार्टी में शामिल नहीं होंगे. उन्होंने इस बारे में एक अधिसूचना जारी किया था. रवि का सीधे नाम लिए बिना अधिसूचना में कहा गया था, 'मुख्यमंत्री ऐसे किसी व्यक्ति का न्योता स्वीकार नहीं करेंगे, जो लगातार तमिलनाडु के लोगों के हितों के खिलाफ काम कर रहा है.' अधिसूचना में यह भी कहा गया था कि राज्य के दूसरे मंत्री चेन्नई में राजभवन में शामिल नहीं होंगे।

**लद्दाख के उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने भी दिया इस्तीफा**

लद्दाख के लेफ्टिनेंट गवर्नर कविंद्र गुप्ता ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जिससे उनका नौ महीने का कार्यकाल खत्म हो गया है, जो 18 जुलाई, 2025 को शुरू हुआ था. गुप्ता, जिन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के तीसरे स्त्र और इस पद पर बैठने वाले पहले राजनेता के तौर पर इतिहास रचा, ने अपना इस्तीफा ठीक उस समय दिया जब उनकी नियुक्ति के एक साल पूरे होने वाले थे. गुप्ता के कार्यकाल में क्षेत्रीय दबाव बढ़ता गया, क्योंकि लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस जैसे प्रभावशाली ग्रुप्स ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए. इन संगठनों ने लगातार पूर्ण राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा उपायों और स्थानीय लोगों के लिए खास रोज़गार कोटा की मांग की है।

# भारत कनाडा संबंधों का नया स्वर्णिम अध्याय

भारत और कनाडा के रिश्तों में हालिया उच्चस्तरीय वार्ता के बाद एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच हुई बैठक ने द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने का काम किया है। इस मुलाकात में ऊर्जा, रक्षा, व्यापार, कृषि और वैश्विक शांति जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा हुई और कई अहम समझौतों पर सहमति बनी। विशेष रूप से सिविल न्यूक्लियर एनर्जी के क्षेत्र में यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति को लेकर हुआ समझौता इस वार्ता की सबसे बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

यह मुलाकात दोनों नेताओं के बीच औपचारिक द्विपक्षीय बैठक के रूप में महत्वपूर्ण रही। पिछले वर्षों में भारत और कनाडा के संबंधों में उतार-चढ़ाव देखने को मिले थे, किंतु इस बैठक ने यह संकेत दिया कि दोनों देश परिपक्व कूटनीतिक दृष्टिकोण के साथ भविष्य की ओर बढ़ना चाहते हैं। बातचीत में पारस्परिक विश्वास, आर्थिक सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती देने पर बल दिया गया।

यूरेनियम आपूर्ति समझौता इस यात्रा का केंद्रीय बिंदु रहा। करीब 2.6 अरब डॉलर यानी लगभग 23,784 करोड़ रुपए के इस करार के तहत कनाडा अगले दस वर्षों तक भारत को यूरेनियम की आपूर्ति करेगा। कनाडा विश्व के प्रमुख यूरेनियम उत्पादक देशों में से एक है और भारत की बढ़ती परमाणु ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए यह समझौता ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में परमाणु ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में यह कदम निर्णायक साबित हो सकता है। भारत पहले से ही 2013 में लागू हुए न्यूक्लियर कोऑपरेशन एग्रीमेंट के तहत कनाडा से यूरेनियम प्राप्त करता रहा है, किंतु इस नई दीर्घकालिक व्यवस्था से स्थिरता और भरोसे की नई नींव पड़ी है।

परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग केवल कच्चे यूरेनियम की आपूर्ति तक सीमित नहीं रहेगा। दोनों देशों ने छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों और उन्नत रिएक्टर तकनीकों के विकास में भी सहयोग की बात कही है। इससे भारत को स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में तकनीकी लाभ मिलेगा और ऊर्जा मिश्रण में परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य साकार हो सकेगा। जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन में कमी की वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बीच यह सहयोग भारत की दीर्घकालिक रणनीति के अनुरूप है।

रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में भी साझेदारी को नई गति देने का निर्णय लिया गया है। समुद्री क्षेत्र जागरूकता, रक्षा उद्योगों में सहयोग और सैन्य आदान-प्रदान जैसे पहलुओं पर सहमति जताई गई। बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में यह सहयोग दोनों देशों के लिए रणनीतिक महत्व रखता है। आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरता को मानवता के सामने गंभीर चुनौती बताते हुए दोनों नेताओं ने इनसे निपटने के लिए घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

आर्थिक दृष्टि से भी यह बैठक अहम रही। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है। जनवरी से अक्टूबर 2025 के दौरान दोनों देशों के बीच लगभग 8 अरब डॉलर का व्यापार हुआ, जो भविष्य में और तेजी से बढ़ सकता है। भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और कनाडा प्राकृतिक संसाधनों, प्रौद्योगिकी और निवेश क्षमता के लिए जाना जाता है। ऐसे में दोनों की पूरक अर्थव्यवस्थाएं व्यापक अवसर पैदा कर सकती हैं।

फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर भी बातचीत शुरू करने की घोषणा की गई है। यदि यह समझौता अंतिम रूप लेता है तो व्यापार और निवेश के नए द्वार खुलेंगे। भारतीय उद्योगों को कनाडाई बाजार तक बेहतर पहुंच मिलेगी और कनाडाई कंपनियों को भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार में अवसर प्राप्त होंगे। कृषि, कृषि प्रौद्योगिकी और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में मूल्यवर्धन पर सहयोग से किसानों और कृषि उद्योग को लाभ हो सकता है। भारत में दालों की मांग को देखते हुए कनाडा के पल्स प्रोटीन क्षेत्र में सहयोग विशेष महत्व रखता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में क्रिकेट के टी20 प्रारूप का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे टी20 में त्वरित निर्णय और मजबूत साझेदारी से मैच जीते जाते हैं, वैसे ही भारत और कनाडा मिलकर भविष्य का निर्माण करेंगे। यह टिप्पणी केवल सांकेतिक नहीं थी, बल्कि इस बात का संकेत थी कि दोनों देश तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों में सक्रिय और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहते हैं।

वैश्विक मुद्दों पर भी दोनों देशों की समान सोच सामने आई। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए भारत ने स्पष्ट किया कि वह विश्व में शांति और स्थिरता चाहता है तथा हर समस्या का समाधान संवाद के माध्यम से निकाला जाना चाहिए। यह रुख भारत की पारंपरिक विदेश नीति के अनुरूप है, जो संतुलन और कूटनीतिक समाधान पर जोर देती है।

द्विपक्षीय संबंधों की पृष्ठभूमि पर नजर डालें तो 2008 के भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते के बाद भारत के लिए वैश्विक परमाणु व्यापार के रास्ते खुले थे। उसी क्रम में 2013 का भारत-कनाडा परमाणु सहयोग समझौता लागू हुआ। हालिया करार उसी प्रक्रिया की अगली कड़ी है, जिसने दोनों देशों के संबंधों को और गहराई दी है।

कुल मिलाकर यह बैठक केवल एक आर्थिक समझौते तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने राजनीतिक विश्वास, रणनीतिक साझेदारी और दीर्घकालिक सहयोग की नई दिशा तय की है। ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग, व्यापार विस्तार और वैश्विक शांति के मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत और कनाडा भविष्य में बहुआयामी संबंधों को और सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बदलते वैश्विक परिदृश्य में यह साझेदारी दोनों देशों के लिए अवसरों और स्थिरता का नया मार्ग प्रशस्त कर सकती

**कांतिलाल मांडोत**

# संपादकीय

## संयम का सामर्थ्य : भारतीय विदेश नीति का आधुनिक दर्शन

कूटनीति की जटिल दुनिया में शब्दों का चयन अक्सर एक तलवार की धार पर चलने जैसा होता है, परंतु वास्तव में कूटनीति का वास्तविक सार उन शब्दों में नहीं होता जो कहे जाते हैं, बल्कि उन अनकहे अर्थों और मौन में छिपा होता है जिसे केवल एक प्रशिक्षित और परिपक्व दृष्टि ही पढ़ सकती है। आज जब हम इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के भयावह साये में वैश्विक राजनीति का अवलोकन करते हैं, तो भारत की विदेश नीति एक ऐसे दार्शनिक और रणनीतिक संतुलन के रूप में उभरती है, जो आधुनिक यथार्थवाद के सिद्धांतों पर आधारित है। भारत का दृष्टिकोण एक ऐसे जटिल मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक द्वंद्व को प्रतिबिंबित करता है जहाँ राष्ट्रीय हित, विदेशों में बसे अपने नागरिकों की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता एक-दूसरे के साथ एक नाजुक संतुलन में बँधे हैं - यही कारण है कि हमारी नीति केवल संधियों और समझौतों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि मानवीय सुरक्षा के संवेदनशील धरातल पर भी काम करती है। हमारा मौन विदेशों में कार्यरत भारतीय समुदाय के लिए एक 'सुरक्षा कवच' का कार्य करता है, जो अनावश्यक रूप से राजनीतिक उबाल से उन्हें बचाने का एक उपाय है।

इजरायल और ईरान के मध्य चल रहा यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच का सीमा विवाद नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक भू-राजनीतिक विखंडन का संकेत है। इस स्थिति में भारत का रुख न तो किसी एक पक्ष के प्रति पूर्ण समर्पण है और न ही पूर्ण दूरी, बल्कि यह ऐतिहासिक रूप से 'रणनीतिक स्वायत्तता' के रूप में देखा जा सकता है। भारत की विदेश नीति अब एक ऐसी परिपक्व अवस्था में पहुँच चुकी है जहाँ वह स्वयं को 'गुटनिरपेक्ष' होने के पुराने सांचे से बाहर निकालकर 'बहु-संरेखण' की नई परिभाषा गढ़ रही है। भारत का मौन - जो सतह पर कभी-कभी अनिर्णय जैसा प्रतीत हो सकता है - वास्तव में एक सोची-समझी कूटनीतिक चुप्पी है, जो यह सुनिश्चित करती है कि भारत की ऊर्जा, सुरक्षा और विदेशों में बसे अपने नागरिकों के आर्थिक हितों को किसी एक क्षेत्रीय संघर्ष की वेदी पर बलि न चढ़ाया जाए।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो भारत का यह व्यवहार एक 'स्थिर धुरी' के समान है। जब विश्व की बड़ी शक्तियां तीव्र भावनाओं के दबाव में निर्णय लेती हैं, तब भारत का संयम एक परिपक्व शक्ति के लक्षणों को प्रदर्शित करता है। ईरान के साथ हमारी ऐतिहासिक सांस्कृतिक जड़ें और चाबहार पोर्ट जैसी कनेक्टिविटी परियोजनाएं भारत की पश्चिमी पहुंच का आधार हैं, जबकि इजरायल के साथ हमारी साझेदारी हमारी सुरक्षा संरचना की एक अनिवार्य कड़ी है। इन दोनों के बीच संतुलन बिठाना केवल एक राजनीतिक विवशता नहीं, बल्कि एक कौशलपूर्ण कूटनीतिक कला है।

राजनीतिक विश्लेषण की दृष्टि से भारत की यह स्थिति 'यथार्थवाद' के उन सिद्धांतों की पुष्टि करती है जहाँ राष्ट्र अपने हितों और अपने जनमानस की सुरक्षा को सर्वोपरि रखता है। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह मध्य-पूर्व में किसी भी प्रकार के सैन्य गठबंधनों का हिस्सा नहीं बनना चाहता। भारत का यह रुख उस 'कौटिल्यवादी' परंपरा से प्रेरित है जहाँ विवेक और संतुलन को वरीयता दी गई है। यह संदेश वैश्विक मंच पर स्थापित करता है कि भारत एक ऐसी उभरती हुई महाशक्ति है जो अपने स्वयं के एजेंडे के माध्यम से न केवल वैश्विक शांति का मार्ग प्रशस्त करती है, बल्कि अपने डायस्पोरा के प्रति भी पूर्णतः समर्पित और सजग है।

साहित्यिक दृष्टि से यदि हम देखें तो भारत की विदेश नीति एक ऐसे नायक की तरह है जो युद्ध की विभीषिका को जानते हुए भी स्वयं को उसमें झोंकने के बजाय, शांति के लिए एक शांत मध्यस्थ की भूमिका तलाश रहा है। 'भीष्म' की उस तटस्थता में भी एक महान उद्देश्य था, जो वर्तमान भारत की नीति में 'मानवीय रक्षा' और 'शांति की अनिवार्यता' के रूप में दिखाई देता है। यह मौन कमजोरी का नहीं, बल्कि सामर्थ्य का मौन है, जो यह संकेत देता है कि भारत को किसी एक पक्ष की बैसाखी की आवश्यकता नहीं है। जो कहा नहीं गया, वह यही है कि भारत अपनी आर्थिक प्रगति, अपनी सांस्कृतिक सुरक्षा और विदेशों में बसे अपने करोड़ों नागरिकों की गरिमा के लिए एक स्थिर वैश्विक व्यवस्था का आकांक्षी है।

डॉ स्नेहलता श्रीवास्तव

# कहीं श्मशान की राख कहीं फूलों से खेली जाती है होली!

समूचे देश समेत विशेषकर उत्तर भारत में मनाया जाने वाला होली पर्व आस्था विश्वास ऋतु परिवर्तन और सामाजिक एकता का लोकपर्व है। होली के दिन समूचा समाज सवर्ण असवर्ण गरीब अमीर सबल निर्बल राजा प्रजा ऊंच नीच के दायरे से बाहर आकर एक दूसरे को रंग गुलाल लगा कर सामाजिक समरसता व सौहार्द का सूत्रपात करता है यह लोकपर्व इतना सजीव व सामाजिक वैज्ञानिक आधार से जुड़ा है कि इस की प्रासंगिकता कभी खत्म नहीं हो सकती है। इस लोकपर्व के संबंध में प्रहलाद और होलिका की कथा सबसे ज्यादा प्रचलित है। पुराने समय में हिरण्यकश्यपु का पुत्र प्रहलाद विष्णु जी का परम भक्त था। ये बात हिरण्यकश्यपु को पसंद नहीं थी। इस वजह से वह प्रहलाद को मारना चाहता था। असुर राज हिरण्यकश्यपु ने बहुत कोशिश की, लेकिन प्रहलाद को मार नहीं सका। तब असुरराज की बहन होलिका प्रहलाद को लेकर आग में बैठ गई। होलिका को आग में न जलना का वरदान मिला हुआ था, लेकिन भगवान विष्णु जी की कृपा से होलिका जल गई और प्रहलाद बच गया। तभी से सत्य और धर्म की जीत के रूप में होली दहन का पर्व मनाया जाता है।।युगों पहले जिस तरह भक्त प्रहलाद के सकुशल बच जाने पर लोगों ने रंग गुलाल लगा कर खुशी मनाई थी आज भी उसी तरह खुशी मनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

**गालियों से होली**

होली के गीतों में वैसे भी गालियां पिरोई होती हैं. शब्दों का प्रयोग कुछ इस प्रकार किया गया होता है कि लोग उसे सुन कर मस्ती करते हैं और उन्हें भीतर तक गुदगुदी होती है. वाराणसी, मिथिलांचल, कुमाऊं, राजस्थान, हरियाणा में होली पर गाली की अनोखी परंररा है। होली एक ऐसा त्योहार है, जो रंगों की मस्ती के साथ-साथ गालियों और गुदगुदाते गीतों के लिए भी खूब जाना जाता है. इसीलिए इस त्योहार को सबसे अनूठा कहते हैं. साल भर लोगों को इसका इंतजार रहता है. लोग गालियों और गीतों के जरिए अपनी भड़ास निकालते हैं. जैसा प्रदेश, वैसे गीत और वैसी ही वहां की गालियां. बहुरंगी होली की ये छटा दुनिया भर में निराली है। काशी की परंपराएं इसलिए अनूठी हैं क्योंकि यहां होली पर गालियों का भी अपना एक अलग संस्कार देखने को मिलता है. दूसरे शहरों में गाली देने पर मार हो जाए, लेकिन यहां होली पर गालियां मनभावन लगती हैं।

**तलवारबाजी से होली**

पंजाब में सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा शुरू की गई यह होलीवीर रस से भरी होती है। इसमें निहंग सिख पारंपरिक पोशाक पहनकर तलवारबाजी और घुड़सवारी (गतका) का प्रदर्शन करते हैं।

पश्चिमी बंगाल व ओडिशा में यहाँ होली को डोल जात्रा के रूप में मनाया जाता हैजिसमें राधा-कृष्ण की मूर्तियों को झूलों (डोल) पर रखकर जुलूस निकाला जाता है और रंगों से पूजा की जाती है।

**लट्ठमार होली**

श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा से करीब 50 किमी दूर बरसाना की होली बहुत खास होती है। बरसाना में कई दिनों तक लट्ठमार होली खेली जाती है। फाल्गुन पूर्णिमा से पहले ही लोग यहां होली खेलना शुरू कर देते हैं। पास के नंदगांव के पुरुष बरसाना आते हैं और बरसाना के पुरुष नंदगांव जाते हैं। इन गांवों की महिलाएं पुरुषों को लट्ठ मारती हैं और पुरुष ढाल से बचने की कोशिश करते हैं। ये होली देखने देश-विदेश से लाखों लोग यहां आते हैं।

**फूलों से होली**

मान्यता है कि मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण ने राधा और गोपियों के साथ होली खेली थी। इसी वजह से इन जगहों पर होली की अच्छी खासी धूम होती है। मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण के भक्त बड़ी संख्या में होली खेलने पहुंचते हैं। यहां के मंदिरों में फूलों से होली खेली जाती है।बांके बिहारी मंदिर में फूलों की होली अवर्णनीय है।

**लड्डूमार होली**

बरसाना के राधा रानी मंदिर में लड्डू मार होली खेली जाती हैजहाँ एक-दूसरे पर लड्डू फेंके जाते हैं और उन्हें प्रसाद के रूप में खाया जाता है।

**मसाने की होली**

वाराणसी(काशी) के मणिकर्णिका घाट पर खेली जाने वाली होली विश्व प्रसिद्ध है। यहां शमशान की राख से होली खेली जाती है। मान्यता है कि शिव जी ने यहां अपने गणों के साथ चिता की राख से होली खेली थी। इसी मान्यता की वजह से आज भी शिव भक्त यहां मसाने की होली खेलते है। देश दुनिया में यह एकमात्र ऐसी होली है जिसमें चिता भस्म को रंग गुलाल की तरह इस्तेमाल करते हुए होली खेलते हैं।

**अंगारों में होली**

एक ऐसी भी होली है जहां जलती होली की लपटों के बीच पंडा नंगे पांव निकल जाता है लेकिन खरोंच तक नहीं आती है। मथुरा से करीब 50 किमी दूर एक गांव है फालैन। इसे प्रहलाद का गांव भी कहते हैं। फालैन गांव की होली की खास बात ये है कि यहां जलती हुई होली के बीच में से एक पंडा चलकर गुजरता है। होली ऊंची-ऊंची लपटों से निकलने के बाद भी पंडे का बाल तक नहीं जलता है। ये चमत्कार देखने के लिए देश-दुनिया से काफी लोग यहां पहुंचते हैं।

**गीतों की होली**

उत्तराखंड में होली संगीत और गायन के साथ मनाई जाती हैजिसे 'बैठकी होली' कहा जाता हैजहाँ शास्त्रीय और पारंपरिक गीतों का गायन होता है।

**हल्दी से होली**

केरल के कोंकणी और कुडुंबी समुदाय के लोग इस दिन रंगों के बजाय हल्दी (मंजल) मिले पानी का उपयोग करते हैंजो शुद्धिकरण का प्रतीक है

महाराष्ट्र और गोवा में यहाँ होली को रंग पंचमी या शिग्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है जो बसंत पंचमी से शुरू होता है

**हम्पी होली**

कर्नाटक के हम्पी की होली भी दुनियाभर में प्रसिद्ध है। ये जगह यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल है। इस जगह का संबंध त्रेतायुग की वानर सेना से है। मान्यता है कि सुग्रीव अपनी वानर सेना के साथ इसी क्षेत्र में रहते थे। यहां होली पर बड़ा आयोजन होता है। हजारों लोग यहां होली खेलने आते हैं।

**शाही होली**

राजस्थान की होली उदयपुर और पुष्कर में आज भी शाही तौर तरीकों से होली खेली जाती है। इस मौके पर राजपुताना आन बान शान देखने को मिलती है।

कई दूसरे एशियाई देशों में भी होली के प्रतिरूप रंगों का पर्व मनाया जाता है लेकिन भारतीय होली यकीनन आज भी अनूठी मस्ती से भरी है यह समाज को एक सूत्र में पिरो कर उमंग व उत्साह का संचार करती है।

**मनोज कुमार अग्रवाल**

# खामनेई की मौत पर छाती पीटने वाले, निर्दोष भारतीयों की मौत पर मौन क्यों थे?

अमेरिका इजरायल की संयुक्त कार्रवाई में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई की मृत्यु के बाद भारत सहित अनेक देशों में उनके समर्थकों द्वारा छाती पीट-पीटकर मातम मनाया जा रहा है और अमेरिका तथा इजराइल की आलोचना की जा रही है। किंतु प्रश्न यह है कि युद्ध हो या आतंकवाद, उसके घाव सदैव गहरे और त्रासद होते हैं। उनकी टीस लंबे समय तक जनमानस को व्यथित करती रहती है । ईरान के सुप्रीम लीडर के रूप में लगभग 36 वर्षों तक सत्ता में रहे खामनेई के शासनकाल में कितने निर्दोष लोगों ने दमन और कठोर नीतियों का सामना किया, यह किसी से छिपा नहीं है। क्या मातम मनाने वाले उनके समर्थकों को यह स्मरण है? जब किसी देश के नागरिक स्वयं अपने सर्वोच्च नेता की मृत्यु पर सड़कों पर उतरकर जश्न मनाते दिखाई दें, तो यह शासन और जनता के बीच गहरे असंतोष का संकेत देता है। ऐसे में भारत में शोक प्रकट करने वाले लोग आखिर किस मानसिकता का प्रतिनिधित्व करते हैं ?

ईरानी सुप्रीम खामनेई पर आरोप रहे कि उन्होंने महिलाओं की स्वतंत्रता पर कठोर प्रतिबंध लगाए । हिजाब को अनिवार्य करना और इस्लामी नियमों की कठोर व्याख्या के आधार पर सामाजिक जीवन को नियंत्रित करना उनकी नीतियों का हिस्सा रहा । आधुनिक युग में जब ईरान की महिलाओं और युवाओं ने स्वतंत्रता तथा समान अधिकारों की मांग उठाई, तब विरोध प्रदर्शनों को सख्ती से दबाया गया। अनेक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने इन कार्रवाइयों की आलोचना की है । यह भी विचारणीय है कि जब भारत में आतंकी हमलों में निर्दोष नागरिक मारे गए, तब क्या इन शोक प्रकट करने वालों ने उतनी ही तीव्रता से संवेदना व्यक्त की ? यदि हम सचमुच मानवीय मूल्यों के पक्षधर हैं, तो हमारी संवेदनाएं चयनात्मक नहीं होनी चाहिए । हिंसा चाहे कहीं भी हो ईरान में या भारत में उसकी समान रूप से निंदा होनी चाहिए । अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होते । कभी ईरान और इजरायल के संबंध सामान्य थे, किंतु वैचारिक टकराव और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं ने उन्हें कट्टर विरोधी बना दिया। मध्य-पूर्व के कई देश, जैसे सऊदी अरब, बहरीन और कुवैत, भी इस तनावपूर्ण वातावरण से प्रभावित रहे हैं । निस्संदेह, किसी भी युद्ध की विभीषिका अत्यंत भयावह होती है। हुक्मरानों के अहंकार की कीमत अंततः आम नागरिकों, महिलाओं, बच्चों और सैनिकों को ही चुकानी पड़ती है। अतः किसी भी शासक की मृत्यु पर भावनात्मक प्रतिक्रिया देने से पूर्व उसके शासनकाल का समग्र और निष्पक्ष मूल्यांकन आवश्यक है । यदि हम वास्तव में मानवता के पक्षधर हैं, तो हमें हर निर्दोष की पीड़ा पर समान रूप से संवेदनशील होना चाहिए चाहे वह किसी भी देश या धर्म का क्यों न हो।

अरविंद रावल

# रंगों का उत्सव होली परंपरा प्रेम और पौराणिक संदेश

होली भारत का वह जीवंत और हृदयस्पर्शी पर्व हैए जो केवल रंगों का उत्सव नहीं बल्कि आस्थाए परंपराए सामाजिक समरसता और मानवीय रिश्तों की पुनर्स्थापना का पावन अवसर भी है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह त्योहार सर्दियों की विदाई और वसंत के आगमन का प्रतीक है। जब खेतों में सरसों के पीले फूल लहलहाने लगते हैं और हवा में एक नई ऊर्जा घुलने लगती हैए तब मन में उमंग का संचार होता है और यही सम्मिलित रूप होली के रूप में प्रकट होता है। वर्ष 2026 की होली विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही हैए क्योंकि इस बार होली के पावन अवसर पर चंद्र ग्रहण का दुर्लभ संयोग बन रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ऐसा संयोग केवल एक खगोलीय घटना मात्र नहीं हैए बल्कि यह आध्यात्मिक साधना और आत्ममंथन का एक विशिष्ट अवसर भी है। यह खगोलीय स्थिति हमें स्मरण कराती है कि ब्रह्मांड की शक्तियाँ हमारे जीवन और हमारे उत्सवों को किस प्रकार प्रभावित करती हैं। ग्रहण की छाया में होने वाला यह पर्व हमें बाहरी उल्लास के साथ.साथ भीतरी शांति की ओर भी प्रेरित करता है।

होली का मूल आधार बुराई पर अच्छाई की शाश्वत विजय है। यह महान शिक्षा हमें उस प्राचीन पौराणिक कथा से प्राप्त होती है जिसमें हिरण्यकशिपुए उसका पुत्र प्रह्लाद और उसकी बहन होलिका प्रमुख पात्र हैं। कथा के अनुसार हिरण्यकशिपु को एक ऐसा कठिन वरदान प्राप्त था कि उसकी मृत्यु न दिन में हो सकती थी न रात मेंए न घर के भीतर न बाहरए और न ही किसी अस्त्र या शस्त्र से। इस अद्भुत शक्ति ने उसके भीतर असीम अहंकार और क्रूरता को जन्म दियाए जिससे वह स्वयं को ईश्वर से भी श्रेष्ठ समझने लगा। किंतु उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का अनन्य भक्त था। पिता के अनेक अत्याचारों और प्राणघातक प्रयासों के बावजूद प्रह्लाद की भक्ति अडिग रही। अंततः हिरण्यकशिपु ने अपनी बहन होलिका को आदेश दिया कि वह प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठ जाएए क्योंकि होलिका को अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था। किंतु अधर्म और विनाश के उद्देश्य से प्रयोग किया गया वह वरदान अंततः निष्फल सिद्ध हुआ। अग्नि ने प्रह्लाद के भक्ति भाव को स्पर्श तक नहीं कियाए जबकि होलिका उस अग्नि में भस्म हो गई। यही ऐतिहासिक घटना श्होलिका दहनश् की परंपरा का आधार बनी। इस कथा का संदेश अत्यंत स्पष्ट और प्रभावशाली है कि अहंकार और अन्याय की शक्ति चाहे कितनी ही विशाल क्यों न होए सत्य और निश्छल भक्ति के सामने उसे पराजित होना ही पड़ता है। भारतीय परंपरा में होली को मुख्य रूप से दो चरणों में मनाया जाता है। पहले दिन सूर्यास्त के पश्चात शुभ मुहूर्त में होलिका दहन किया जाता है। इसमें लकड़ियोंए घास.फूस और गाय के गोबर से बने उपलों का एक विशाल ढेर बनाकर उसे प्रतीकात्मक रूप से बुराइयों की अग्नि में समर्पित किया जाता है। लोग इस पवित्र अग्नि की परिक्रमा करते हैं और अपने जीवन की नकारात्मकताओंए ईर्ष्या और द्वेष को समाप्त करने का संकल्प लेते हैं। जलती हुई अग्नि में नई फसल की बालियाँ अर्पित करना कृतज्ञता प्रकट करने का एक माध्यम है। इसके अगले दिन धुलेंडी या रंगवाली होली का आयोजन होता हैए जब ऊंच.नीच और भेदभाव की सारी दीवारें ढह जाती हैं। लोग एक.दूसरे के चेहरे पर गुलाल मलते हैं और रंगीन पानी की बौछारों के बीच प्रेमए भाईचारे और समानता का संदेश फैलाते हैं। रंगों का यह आदान.प्रदान केवल मनोरंजन नहीं हैए बल्कि यह सामाजिक दूरियों को मिटाने और रिश्तों में जमी बर्फ को पिघलाकर नई ऊर्जा भरने का एक सशक्त माध्यम है। वर्ष 2026 में चंद्र ग्रहण के संयोग ने इस पर्व के साथ एक गहरा आध्यात्मिक आयाम जोड़ दिया है। ज्योतिषीय और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ग्रहण काल में वातावरण में सूक्ष्म ऊर्जात्मक परिवर्तन होते हैंए जिस कारण इस समय में पूजा.पाठए मंत्र.जप और ध्यान का विशेष महत्व माना गया है। जहाँ एक ओर रंगों की मस्ती होगीए वहीं दूसरी ओर ग्रहण के कारण लोग संयम और शुद्धि पर भी बल देंगे। ऐसे समय में होलिका दहन का मुहूर्त विशेष सावधानी से निर्धारित किया जाता है ताकि धार्मिक विधि.विधान शास्त्रसम्मत ढंग से संपन्न हो सकें। यह दुर्लभ संयोग हमें सिखाता है कि उत्सव मनाते समय हमें प्रकृति के नियमों और ब्रह्मांडीय हलचलों के प्रति भी सचेत रहना चाहिए। यह समय लोगों को आत्म.साक्षात्कार की ओर ले जाता हैए जहाँ वे अपने भीतर के श्कंसश् या श्हिरण्यकशिपुश् रूपी विकारों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। ग्रहण के पश्चात स्नान और दान की परंपरा इस पर्व को परोपकार की भावना से भी जोड़ती है।

होली का असली सांस्कृतिक वैभव और आध्यात्मिक आनंद ब्रज की भूमिए विशेषकर मथुरा और वृंदावन में देखने को मिलता है। इन पावन स्थलों पर भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी की लीलाओं से जुड़ी परंपराएँ आज भी उतनी ही जीवंत और उल्लासपूर्ण हैं। वृंदावन के मंदिरों में फूलों की होली खेली जाती हैए जहाँ सुगंधित पुष्पों की वर्षा भक्तों को एक दिव्य अनुभूति प्रदान करती है। वहींए बरसाना की विश्वप्रसिद्ध श्लटठमार होलीश् अपनी अनोखी और जीवंत परंपरा के लिए जानी जाती है। यहाँ महिलाएँ प्रतीकात्मक रूप से पुरुषों पर लाठियाँ चलाती हैं और पुरुष ढाल के सहारे स्वयं का बचाव करते हैं। यह दृश्य केवल एक खेल नहींए बल्कि लोक संस्कृति के उस गौरवशाली इतिहास का प्रदर्शन है जहाँ प्रेम में भी एक मर्यादा और शौर्य का मिश्रण होता है। इन उत्सवों के दौरान गाए जाने वाले होरीए फाग और रसिया गीत पूरे वातावरण को भक्तिमय उल्लास से सराबोर कर देते हैं। विदेशों से भी हज़ारों लोग इस अलौकिक दृश्य का साक्षी बनने के लिए भारत आते हैं।

खान.पान के बिना भारतीय त्योहारों की कल्पना करना असंभव हैए और होली के संदर्भ में तो यह और भी विशेष हो जाता है। इस अवसर पर घर.घर में गुजियाए मालपुआए दही बड़ेए कचौरियाँ और केसरयुक्त ठंडाई जैसे पारंपरिक व्यंजन बनाए जाते हैं। ये पकवान केवल स्वाद के लिए नहीं होतेए बल्कि वे परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों को एक साथ बैठने और खुशियाँ साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं। भोजन की महक और रंगों की चमक मिलकर इस पर्व को पूर्णता प्रदान करती है। आधुनिक युग की चुनौतियों को देखते हुएए आज समाज में सुरक्षित और प्राकृतिक रंगों के उपयोग पर अत्यधिक बल दिया जा रहा है। रसायनों से युक्त रंगों के स्थान पर फूलों और जड़ी.बूटियों से बने गुलाल का प्रयोग स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए हितकारी है। साथ हीए उत्सव के दौरान किसी की असहमति का सम्मान करना और जबरदस्ती रंग न डालना जैसे नैतिक मूल्य इस परंपरा को और अधिक संवेदनशील और आधुनिक बनाते हैं। सामाजिक दृष्टि से देखा जाए तो होली एकता और अखंडता का अनुपम उदाहरण है।

यह वह समय है जब जातिए धर्मए वर्ग और आर्थिक स्थिति के आधार पर बनी समाज की कृत्रिम दीवारें ढह जाती हैं। जब व्यक्ति के चेहरे पर गहरा गुलाल लग जाता हैए तो उसकी पहचान केवल एक मनुष्य के रूप में रह जाती है। यह भाव भारतीय संस्कृति की उस मूल भावना श्वसुधैव कुटुंबकमश् को साकार करता हैए जिसमें संपूर्ण विश्व को एक परिवार माना गया है। ग्रामीण अंचलों में होली आज भी सामूहिक लोकगीतों और ढोल.मंजीरों की थाप पर मनाई जाती हैए जो सामुदायिक जुड़ाव को मज़बूत करती है। शहरों में भी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से इस पर्व को आधुनिक स्वरूप में सहेजने का प्रयास किया जाता है। होली हमें यह सिखाती है कि अतीत की कड़वाहट को भुलाकर गले मिलना ही मानवता का सबसे बड़ा धर्म है। 2026 की यह विशेष होलीए अपने ग्रहण के संयोग और सांस्कृतिक गहराई के साथए हमें यह संदेश देती है कि जीवन की चुनौतियों और अंधकार के बीच भी आशा का रंग कभी फीका नहीं पड़ना चाहिए। प्रह्लाद की अटूट आस्था यह सिद्ध करती है कि ईश्वर का संरक्षण सदैव सत्य के साथ होता है। होलिका का दहन हमें अपने भीतर की बुराइयों को जलाने की प्रेरणा देता है। रंगों का यह महाकुंभ हमें बताता है कि जीवन को उसकी पूरी विविधता और उत्साह के साथ जीना चाहिए। यह पर्व केवल एक वार्षिक अनुष्ठान नहीं हैए बल्कि यह एक सामाजिक और आध्यात्मिक क्रांति है जो हर वर्ष हमें अपने व्यक्तित्व को निखारने और समाज में प्रेम का संचार करने का अवसर देती है। 2026 की होली खगोलीय ऊर्जाए धार्मिक श्रद्धा और सांस्कृतिक उल्लास का वह अद्भुत संगम होगी जो हमारे जीवन को नए रंगोंए नई ऊर्जा और नई सकारात्मकता से भर देगी। अंततःए यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जब हम दूसरों की खुशी में अपनी खुशी ढूंढने लगते हैंए तभी हम वास्तविक अर्थों में श्होलीश् मनाते हैं।

**महेन्द्र तिवारी**

**स्वामी–** स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

## संक्षिप्त खबरें

### तरावीह में कुरान मुकम्मल होने पर जामा मस्जिद में जलसा आयोजित

**बिसवां।** मोहल्ला शेख सराय में स्थित जामा मस्जिद में तरावीह की नमाज़ के दौरान कुरान-ए-पाक मुकम्मल होने के अवसर पर एक जलसे का आयोजन किया गया। तरावीह की नमाज़ में कुरान हाफिज खालिद रज़ा ने कुरान-ए-पाक मुकम्मल किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नमाज़ी व क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सदारत मस्जिद के सदर हाजी मोहम्मद रफी अहमद ने की। वहीं बयान करते हुए हाफिज मोहम्मद अय्यूब खान ने कहा कि कुरान-ए-पाक इंसानियत के लिए हिदायत की किताब है। इसे पढ़ना, समझना और उस पर अमल करना हर मुसलमान की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अपने बच्चों को दीनी तालीम से जोड़ें और उन्हें हाफिज-ए-कुरान बनाने का प्रयास करें। इस मौके पर मस्जिद कमेटी के सदर हाजी मोहम्मद रफी अहमद, सेक्रेट्री हाफिज मोहम्मद अय्यूब खान, नायब सदर मोहम्मद अय्यूब खान, सरपरस्त हाजी कामिल खां सहित बड़ी संख्या में नमाज़ी व अन्य लोग मौजूद रहे।

### तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से एक मौत, ट्रक के नीचे दबा ड्राइवर, तीन की हालत गंभीर

**निंदूरा (बाराबंकी)।** किसान पथ पर स्थित कुर्सी के गंगौली में तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल है। वहीं, शीतल पेयजल लेकर मैनपुरी जा रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर किसान पथ किनारे पलट गया। दबे चालक को निकालने में पुलिस को करीब एक घंटा लग गया। गंभीर रूप से घायल चालक-परिचालक को लखनऊ में भर्ती कराया गया है। कुर्सी के गंगौली निवासी किशन लाल का 20 वर्षीय पुत्र श्रवण एक मार्च की शाम अपने मित्र विवेक के साथ बाइक से कहीं जा रहे थे। किशन लाल ने बताया कि गांव के पास ही किसान पथ पर तेज रफ्तार वाहन से पुत्र श्रवण की बाइक में टक्कर मार दी। दोनों घायलों को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां श्रवण को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, गंभीर रूप से घायल विवेक का उपचार चल रहा है। गंगौली में ही सोमवार करीब 11 बजे शीतल पेय लेकर जा रहा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर किसान पथ किनारे पलट गया। ट्रक का केबिन क्षतिग्रस्त हो गया, जिसमें एटा के कल्याणपुर निवासी धर्मेंद्र और फिरोजाबाद एका कोड़वा निवासी खलासी लल्लन बाबू फंस गए। उमरा पुलिस चौकी इंचार्ज अखिलेश प्रजापति ने लल्लन को बाहर निकाल लिया, लेकिन दबे हुए चालक धर्मेंद्र को निकालने के लिए क्रेन बुलानी पड़ी। करीब एक घंटे बाद पुलिस चालक को बाहर निकाला। दोनों को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है।

# युवक पर जानलेवा हमला 12-15 बदमाशों ने लाठी-डंडों से पीटा, जान से मरने का किया प्रयास

**● यह घटना शहर में बढ़ती गुंडागर्दी की ओर इशारा करती है। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि ऐसे असामाजिक तत्वों पर नकेल कसी जाए।**

**पीड़ित ने थाना विकास नगर में शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगायी है।**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**विकास नगर, अलीगंज लखनऊ** राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में एक युवक पर 12-15 बदमाशों के गिरोह ने जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने उसे घेरकर लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा और जान से मारने की धमकी दी। घटना की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई है, जिसमें सीसीटीवी फुटेज का हवाला दिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित सूर्यांश अवस्थी ने अपनी शिकायत में बताया कि घटना बीती रात करीब 9:30 से 10 बजे के बीच हुई। वह अपने ऑफिस से एक बच्चे को उसके घर छोड़ने अलीगंज सेक्टर एम में अपने चाचा के घर जा रहे थे। इमामबाड़े के पास पहुंचते ही 12-15 युवकों ने उनकी स्कूटी को धक्का मारा, जिससे वह गिरते-गिरते बचे।

शिकायत के अनुसार, जब सूर्यांश ने धक्का मारने का विरोध किया तो हमलावरों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। एक युवक ने उन्हें कोने की ओर ले जाकर घेर लिया और साथियों के साथ मिलकर मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों में से कुछ लाठी-डंडों से लैस थे, जबकि एक ने पास की होलिका से डंडा उठाकर हमला किया। पीड़ित ने बताया कि हमलावर उन्हें पटक-पटक कर पीटते रहे और 'इन्हें जान से मार डालो' जैसी धमकियां दे रहे थे। सूर्यांश ने किसी तरह खुद को छुड़ाया और चाचा के घर की ओर भागे, लेकिन हमलावरों ने ईंट-पत्थर लेकर उनका पीछा किया। घर पहुंचने पर सूर्यांश ने चाचा को फोन किया, जिन्होंने पुलिस हेल्पलाइन 112 पर कॉल की। घटना का इवेंट आईडी P02032626058 दर्ज किया गया। पुलिस के पहुंचने से पहले हमलावर भाग निकले। पीड़ित ने बताया कि हमलावरों ने उनकी स्कूटी तोड़ दी, डिग्गी खोलकर बैग का सामान बिखेर दिया और बैग को होलिका पर फेंक दिया। सूर्यांश को सिर, हाथ, पैर, पीठ और आंतरिक चोटें आई हैं, जिसके कारण वह रात भर दहशत में रहे और नींद नहीं आई।

शिकायत में हमलावरों के नाम राहुल, पिल्ली उर्फ़ अनुराग ,पवन गुप्ता, लालजी, विशाल फूलवाला और अन्य 7 से 8 अन्य बताए गए हैं। पीड़ित ने दावा किया कि घटना इमामबाड़े और चाचा के घर पर लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है, जो जांच में सहायक साबित हो सकती है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर सूर्यांश ने आरोप लगाया कि ये युवक इमामबाड़े के कोने पर रोजाना जुआ, शराब और अराजकता फैलाते हैं, जिससे आसपास के निवासी परेशान हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकायत पर प्राथमिक सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पीड़ित ने पुलिस से अपील की है कि हमलावरों पर कठोर कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई अन्य व्यक्ति उनका शिकार न बने। दूसरे पक्ष से कोई ब्यक्ति अभी तक सामने आकर किसी तरह की कोई जानकारी नहीं दिया है। यह घटना शहर में बढ़ती गुंडागर्दी की ओर इशारा करती है। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि ऐसे असामाजिक तत्वों पर नकेल कसी जाए।

### होली के बाद मेरठ का सोहराब गेट बस डिपो हो जाएगा शिफ्ट, जगह भी हो गई फाइनल

**मेरठ।** सोहराबगेट रोडवेज बस अड्डे को पीपीपी माडल के तहत अत्याधुनिक सुविधाओं को लैस किया जाना है। सोहराब गेट के वर्तमान बस अड्डे को विकसित करने के पहले इसे लोहिया नगर में बिजली उपकेंद्र के पास शिफ्ट किया जाएगा। बिजली बंबा पुलिस चौकी के सामने खाली पड़ी भूमि उप्र परिवहन निगम ने मेरठ विकास प्राधिकरण से किराए पर ली है। अब होली के पर्व के बाद यहां भूमि को समतल करने और शेड डालने का कार्य शुरु किया जाएगा। सोहराबगेट से लखनऊ, मुरादाबाद, आगरा, बुलंदशहर, हापुड़, राजस्थान आदि स्थानों के लिए 260 बसें चलती हैं। नया बस अड्डे का निर्माण शुरू होने से पहले वर्तमान इमारत को को गिराया जाएगा। सोहराबगेट डिपो की बसों का रखरखाव के लिए वर्क शाप को स्थानांतरित करने का कार्य शुरु हो गया है। सोहराब गेट डिपो के एआरएम राजीव कुमार ने कहा कि मेडा को भूमि के किराए साढ़े छह लाख रुपये जमा कर दिया गया है। जल्द यहां पर कार्य शुरु होगा।

# खामेनेई के निधन पर पुराने लखनऊ में सन्नाटा, बाजार बंद; हाई अलर्ट पर पुलिस

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**लखनऊ** ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के निधन की खबर के बाद पुराने लखनऊ में सोमवार को गहरा शोक और सन्नाटा देखने को मिला। शहर के कई प्रमुख बाजार बंद रहे, जबकि पर्यटकों के लिए ऐतिहासिक स्थलों के द्वार अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए। बड़ा इमामबाड़ा, छोटा इमामबाड़ा और रूमी दरवाजा समेत आसपास के इलाकों में गतिविधियां सीमित रहीं। कई स्थानों पर शोक संदेश वाले पोस्टर लगाए गए और समुदाय के लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

**इंटरनेट मीडिया पर कड़ी निगरानी**

त्योहारों के मद्देनजर प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी भी भड़काऊ या आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर सख्त रुख अपनाया गया है। निगरानी के लिए पुलिस आयुक्त कार्यालय की ओर से 11 विशेष टीमें गठित की गई हैं।

साइबर क्राइम सेल और स्थानीय पुलिस इकाइयों को भी सक्रिय किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, वाट्सएप ग्रुप या अन्य प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक सामग्री साझा करने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति के साथ-साथ ग्रुप एडमिन की भी जवाबदेही तय की जाएगी।

**सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम**

रविवार को खबर सामने आने के बाद पुराने शहर में प्रदर्शन हुए थे, हालांकि वे शांतिपूर्ण रहे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत अतिरिक्त पुलिस बल, पीएसी और अन्य इकाइयों की तैनाती की गई है। ड्रोन कैमरों से संवेदनशील इलाकों की निगरानी की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

### देवरिया पेट्रोल पंप लूटः पुलिस ने छह संदिग्धों को उठाया, छापेमारी जारी

**रुद्रपुर।** नरायनपुर मार्ग स्थित डहरौली पेट्रोल पंप पर सेल्समैन से पेट्रोल भराने के बाद बैग लूटकर फरार होने के मामले में पुलिस ने शनिवार की रात कई स्थानों पर छापेमारी कर छह लोगों को उठाया। उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस को शक है कि घटना में लोकल बदमाश शामिल रहे हैं। पेट्रोलपंप पर सीसी कैमरे में घटना का अवलोकन कर बदमाशों की तलाश पुलिस कर रही है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए थाना की तीन टीमें व एक सर्विलांस टीम को लगाया गया है। घटना के बाद पेट्रोल पंप के प्रबंधक मऊ जनपद के घोसी थाना क्षेत्र के पकड़ी बुजुर्ग गांव के रहने वाले आकाश निषाद पुत्र हरिराम निषाद ने पुलिस को तहरीर देकर कहा था कि सेल्समैन सचिन साहनी पेट्रोलपंप पर वाहनों में पट्रोल भर रहे थे। उस समय उनके बैग में 8440 रुपये था। इसी दौरान बाइक में पेट्रोल भराने बदमाश पहुंचे । कैश से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। कोतवाल कल्याण सिंह सागर ने बताया कि पेट्रोल पंप के प्रबंधक की तहरीर पर लूट का मुकदमा दर्ज किया गया है। लुटेरों की तलाश की जा रही है। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने पेट्रोल पंप लूट की घटना को गंभीरता से लेते हुए पर्दाफाश के लिए एसओजी समेत चार टीमों का गठन किया है। पुलिस मार्ग पर पड़ने वाले करीब 24 से अधिक सीसी कैमरे को खंगाला उनके फुटेज के आधार पर लुटेरों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

### सीतापुर में खाना बनाते वक्त फटा गैस सिलेंडर, छह झुलसे; रेगुलेटर में रिसाव की वजह से हुआ हादसा

**» सीतापुर के मानपुर में गैस सिलेंडर फटा।**

**» हादसे में छह लोग झुलसे, दो घर जले।**

**» रेगुलेटर में रिसाव से लगी भीषण आग।**

**बिसवां देहात (सीतापुर)।** मानपुर के अलउदीपुर में रविवार रात करीब आठ बजे गैस सिलेंडर में रिसाव होने से आग लग गई और वह फट गया। इससे उनके घर के साथ ही पड़ोसी के घर में भी आग लग गई और छह लोग झुलस गए। साथ ही गृहस्थी का सामान भी जल गया। फायर ब्रिगेड ने आग को काबू किया। ओम प्रकाश कन्नौजिया की पत्नी इंद्रानी भोजन बना रहीं थीं। इसी दौरान हादसा हो गया। इसमें इंद्रानी, ओमप्रकाश, शोभित, अजय, अमित यादव और प्रदीप यादव को झुलस गए। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद प्रदीप और अमित को छुट्टी दे दी गई है। अन्य लोगों का उपचार चल रहा है। उप जिलाधिकारी बिसवां शिखा शुक्ला ने बताया कि राजस्व टीम भेजी गई है। थानाध्यक्ष मानपुर ने बताया अभिषेक मिश्र ने बताया झुलसे लोगों की हालत खतरे से बाहर है। आग को बुझाने में लोग आंशिक रूप से झुलसे हैं।

# गोरखपुर रंगोत्सव में दिखेगा खास उल्लास, सीएम योगी करेंगे भगवान नृसिंह शोभायात्रा का नेतृत्व

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**गोरखपुर-** होली के पावन अवसर पर गोरखपुर का रंगोत्सव इस बार भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में भगवान नृसिंह की पारंपरिक रंगभरी शोभायात्रा का नेतृत्व करेंगे। घंटाघर से निकलने वाली यह शोभायात्रा श्री होलिकोत्सव समिति और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सहयोग से आयोजित होती है। सामाजिक समरसता और सनातन संस्कृति के संदेश के साथ निकलने वाली यह परंपरा दशकों से गोरखपुर की पहचान बनी हुई है।

**दशकों पुरानी परंपरा, सामाजिक समरसता का संदेश**

भगवान नृसिंह की यह शोभायात्रा वर्ष 1944 में नानाजी देशमुख द्वारा शुरू की गई थी। बाद में गोरक्षपीठ से इसका गहरा संबंध जुड़ गया। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ के निर्देश पर महंत अवेद्यनाथ ने इसमें पीठ का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 1996 से 2019 तक योगी आदित्यनाथ ने शोभायात्रा का नेतृत्व किया। कोरोना काल में 2020 और 2021 में वह शामिल नहीं हुए, लेकिन 2022 से फिर परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

**पांच किलोमीटर लंबी शोभायात्रा**

पांच किलोमीटर से अधिक दूरी तय करने वाली यह शोभायात्रा गोरखपुर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरती है। भगवान नृसिंह के रथ पर सवार गोरक्षपीठाधीश्वर रंगों में सराबोर होकर लोगों का अभिवादन करते हैं।रंगोत्सव की शुरुआत गोरखनाथ मंदिर में होलिकादहन की भस्म से तिलक लगाकर होगी। मंदिर परिसर में फाग गीत गाए जाएंगे और दोपहर बाद होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा।गोरखपुर की यह शोभायात्रा अब देशभर में अपनी अलग पहचान बना चुकी है और इसकी तुलना मथुरा-वृंदावन की होली से की जाती है।

# राष्ट्र विरोधी शक्तियों के विरुद्ध भारत को दिखानी होगी 'निर्णायक सजगता': राजपुरोहित मधुर जी

**● .....वैश्विक उथल-पुथल के बीच आंतरिक एकता को बनाए रखने और अफवाहों से बचने का आह्वान; सांस्कृतिक समरसता को बताया देश का सबसे मजबूत सुरक्षा कवच।**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**नई दिल्ली:** वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में गहराते संघर्ष और बढ़ती अस्थिरता को देखते हुए प्रख्यात ज्योतिषाचार्य एवं धर्ममार्गदर्शक राजपुरोहित मधुर जी ने देश की सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने आगाह किया है कि जब विश्व के कई हिस्से युद्ध और अशांति की आग में झुलस रहे हों, तब भारत जैसे उभरते और महत्वपूर्ण राष्ट्र के लिए आने वाला समय अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मधुर जी ने दोटूक शब्दों में कहा कि इस नाजुक समय का लाभ उठाकर राष्ट्र विरोधी ताकतें देश के भीतर सक्रिय हो सकती हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य समाज में भ्रम की स्थिति पैदा करना, वैचारिक विभाजन को बढ़ावा देना और नागरिकों के बीच अविश्वास का बीज बोना है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते 'निर्णायक सजगता' नहीं दिखाई गई, तो ये बाहरी और आंतरिक शक्तियां देश में अशांति का वातावरण निर्मित करने में सफल हो सकती हैं।

राजपुरोहित मधुर जी ने राष्ट्र की शक्ति के मूल मंत्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की असली सामर्थ्य उसकी सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता में निहित है। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि सीमा पार की चुनौतियों से कहीं अधिक खतरनाक वे परिस्थितियाँ होती हैं, जो समाज को भीतर से खोखला और कमजोर करने लगती हैं। उनके अनुसार, देश की सहनशीलता को किसी भी सूरत में कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता की दिशा में कठोर और सतर्क कदम उठाने की अपेक्षा की, साथ ही आम नागरिकों को भी इस 'सूचना युद्ध' में सैनिक की भांति सजग रहने को कहा। उन्होंने जनता से भावुकता के बजाय राष्ट्रहित में तर्कसंगत निर्णय लेने की अपील करते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अफवाह, उकसावे या भ्रामक प्रचार का हिस्सा बनना देश की नींव को कमजोर करने जैसा है।

अंत में, भविष्य की चुनौतियों के प्रति सचेत करते हुए राजपुरोहित मधुर जी ने एक सशक्त संदेश दिया कि यदि भारत की एकता पर कोई आघात करने का दुस्साहस करता है, तो पूरा राष्ट्र एक स्वर में खड़ा होकर उसका उत्तर देगा। उन्होंने देशवासियों से 'सतर्क, सजग और संगठित' रहने का संकल्प लेने का आग्रह किया, क्योंकि आने वाले समय की सबसे बड़ी आवश्यकता यही एकजुटता है।

# लिव-इन पार्टनर पर सुसाइड के लिए उकसाने का केस, बहन का आरोप- हत्या कर आत्महत्या का रंग दिया

**● प्रेमी पर युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप**

**● बहन ने हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया**

**● पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**ग्रेटर नोएडा।** बिसरख कोतवाली अंतर्गत रोज टावर गार्डन सिटी-एक में लिव-इन में रहने वाली युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने प्रेमी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। मृतका की बहन का आरोप है कि आरोपित ने हत्या कर शव फंदे से लटकाने के बाद आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया। फिलहाल पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आत्महत्या की पुष्टि हुई थी।

पूर्वी दिल्ली निवासी युवती का कहना है कि राहुल वैसला के साथ उसकी बहन वर्ष 2021 से लिव-इन में रह रही थी। आरोपित ने उसकी बहन को शादी का झांसा देकर शोषण किया। 12 दिसंबर 2025 को आरोपित की बुआ और बहन ने धमकाने का प्रयास किया था। इसके बाद भी बहन व आरोपित संपर्क में थे। आरोपित उसकी बहन के साथ रोज टावर गार्डन सिटी के फ्लैट में लिव-इन में रहने लगा था। घटना वाले दिन 28 फरवरी को राहुल वैंसला भी बहन के साथ फ्लैट पर था। उसी ने सूचना दी कि बहन ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। जबकि वह घटना स्थल पर पहुंची तो बहन का शव फर्श पर पड़ा था। आरोप है कि प्रेमी ने ही बहन की हत्या कर शव फंदे से लटकाया।

उन्होंने कहा कि उनकी बहन स्वभाव से खुशमिजाज और जीवन के प्रति उत्साही थी। वह आत्मघाती कदम नहीं उठा सकती। पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में अनुरोध किया कि घटनास्थल की वैज्ञानिक ढंग से जांच कराई जाए। सीसीटीवी फुटेज, काल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित किया जाए। मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपित पर कड़ी कार्रवाई की जाए। प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया मामला संज्ञान में है। जांच में मिले तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

# देवरिया में नसबंदी के बाद महिला हुई गर्भवती, स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप

**● नसबंदी के डेढ़ साल बाद महिला हुई गर्भवती।**

**● स्वास्थ्य विभाग सकते में, महिला ने कार्रवाई मांगी।**

**● एसीएमओ ने नसबंदी विफलताओं पर मुआवजे का आश्वासन दिया।**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**तरकुलवा, (देवरिया)।** ऑपरेशन होने के डेढ़ साल बाद महिला ने गर्भवती हो गई है। जिसको लेकर स्वास्थ्य विभाग सकते में है। उधर, पीड़ित महिला ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को शिकायती पत्र देकर मामले में कार्रवाई की मांग की है। तरकुलवा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर 5 मार्च 2024 को अपना नसबंदी कराया। इसके बाद महिला डेढ़ साल के बाद पुनः गर्भधारण कर ली है। जानकारी होने के बाद घर वालों सहित महिला काफी परेशान है। इसको लेकर महिला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची। जहां पर उसने अपने प्रमाण पत्र पर सक्षम अधिकारियों से हस्ताक्षर करने के लिए कही। जिस पर उन्होंने मना कर दिया। इसके बाद वह मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पास गई और शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में एसीएमओ एके शाही ने बताया कि नसबंदी आपरेशन के बाद एक से दो प्रतिशत ऐसी शिकायतें मिल जाती हैं। यदि पीड़ित महिला की ओर से समय से जानकारी दी जाती है तो उसे मुआवजा के लिए पत्राचार किया जाता है। विभाग से जो संभव होगा वह मुआवजा दिलाया जाएगा।

# बाराबंकी में 3.35 करोड़ से चमकेंगी सड़कें, चार मार्गों के चौड़ीकरण को मिली मंजूरी; विकास को मिलेगी नई रफ्तार

**● चार प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण को मिली स्वीकृति।**

**● 3.35 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी।**

**● ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आवागमन को मिलेगा बल।**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**बाराबंकी।** प्रमुख चार मार्गों के चौड़ीकरण के प्रस्ताव को शासन से स्वीकृति मिल गई है। होली में क्षेत्रवासियों के लिए यह उपहार के तौर पर देखा जा रहा है। करीब 3.35 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी, जिससे आवागमन सुगम होने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को नई गति मिलेगी।

शासन स्तर से मिली मार्गों को स्वीकृति में गाजीपुर-दरियाबाद से पांडेयपुरवा संपर्क मार्ग है, जिसकी लागत 65.35 लाख रुपये है। यह मार्ग एक किलो मीटर बनेगा। पूरेबलवंत से मऊ-देवीगंज, सुबेहा संपर्क मार्ग 94 लाख रुपये की लागत से 1.50 किमी बनेगा।

**82.23 लाख से 1.20 किलो मीटर बनेगी सड़क**

बंधा मार्ग से सुबेदार का पुरवा होते हुए कोठरी गोरिया संपर्क मार्ग 94.06 लाख रुपये से 1.50 किमी सड़क बनेगी। पूरेजोगा-गोबरे का पुरवा संपर्क मार्ग 82.23 लाख रुपये से 1.20 किलो मीटर बनेगा। राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने बताया कि इन मार्गों की हालत लंबे समय से खराब थी, जिससे ग्रामीणों, विद्यार्थियों और किसानों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। बरसात के दिनों में स्थिति और भी विकट हो जाती थी।

# इकाना स्टेडियम में भारत बनाम अफगानिस्तान वनडे, रोहित-कोहली का दिखेगा जलवा

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**लखनऊ-** क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खबर है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने अफगानिस्तान के भारत दौरे का आधिकारिक कार्यक्रम घोषित कर दिया है। दौरे के तहत एक टेस्ट मैच और तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेली जाएगीवनडे सीरीज का दूसरा मैच 17 जून को लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में आयोजित होगा। इस मुकाबले में टीम इंडिया का सामना अफगानिस्तान राष्ट्रीय क्रिकेट टीम से होगा।

**रोहित-कोहली की बल्लेबाजी का मिलेगा रोमांच**

लखनऊ के दर्शकों को एक बार फिर रोहित शर्मा और विराट कोहली की शानदार बल्लेबाजी देखने का मौका मिलेगा। साथ ही जसप्रीत बुमराह की सटीक यॉर्कर भी मुकाबले को रोमांचक बनाएगी। सीरीज का पहला वनडे धर्मशाला और तीसरा चेन्नई में खेला जाएगा।

**पिछली बार कोहरे में रद्द हुआ था मुकाबला**

इकाना स्टेडियम में पिछले वर्ष भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच प्रस्तावित वनडे मुकाबला घने कोहरे के कारण शुरू नहीं हो सका था। दृश्यता बेहद कम होने से मैच रद्द करना पड़ा था। ऐसे में इस बार दर्शकों को पूरे रोमांच की उम्मीद है।

**पहली बार लखनऊ में भारत-अफगानिस्तान भिड़ंत**

अब तक दोनों टीमों के बीच चार वनडे मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें भारत ने तीन जीते हैं और एक मैच टाई रहा है। हालांकि इकाना स्टेडियम अफगानिस्तान का घरेलू मैदान भी रह चुका है, लेकिन लखनऊ में भारत और अफगानिस्तान के बीच यह पहला आधिकारिक वनडे मुकाबला होगा।अफगानिस्तान टीम में राशिद खान जैसे स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी मैच को और दिलचस्प बनाएगी। क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह मुकाबला खास आकर्षण का केंद्र रहेगा।

## संक्षिप्त खबरें

### युद्धग्रस्त देशों में फंसे गौतमबुद्ध नगर के नागरिकों की जानकारी जुटा रहा प्रशासन, हेल्पलाइन नंबर जारी

**युद्ध प्रभावित देशों में फंसे नागरिकों की जानकारी मांगी**

**सुरक्षा और त्वरित सहायता के लिए हेल्पलाइन जारी की गई**

**गौतमबुद्ध नगर प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की है**

**ग्रेटर नोएडा।** ईरान के साथ विभिन्न देशों के बीच युद्ध व सुरक्षा स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर जारी कर ऐसे लोगों के बारे में आम लोगों से जानकारी मांगी है। जिनके स्वजन या कोई अन्य जानकारी इन युद्ध प्रभावित देशों में फंसे हुए हैं। जिला प्रशासन ने सोमवार को एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि ईरान, इराक, अमेरिका, इजरायल आदि युद्ध प्रभावित देशों में जिले के कोई नागरिक या उनके जानकार, रिश्तेदार फंसे हुए हैं या जो हाल में ही वहां से लौटे हैं, ऐसे लोगों के बारे में जिला प्रशासन को सूचित करें। इसका उद्देश्य प्रभावित नागरिकों की सुरक्षा, त्वरित संपर्क एवं आवश्यक सहायता सुनिश्चित करना है। जिला प्रशासन ने एक निर्धारित प्रारूप में संबंधित तहसील, उपजिलाधिकारी कार्यालय या प्रशासन द्वारा निर्धारित माध्यम से शीघ्र उपलब्ध करा सकते हैं।

**इन हेल्पलाइन नंबरों पर कर सकते हैं संपर्क**

इसके लिए हेल्पलाइन नंबर के रूप में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गौतमबुद्धनगर के मोबाइल नंबर 9870944876 और जिला आपदा विशेषज्ञ गौतमबुद्ध नगर के मोबाइल नंबर 8145563077 भी जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं।

### गुरुग्राम में होली की खरीदारी के दौरान बेकाबू कार का कहर, नशे में धुत ड्राइवर ने कई लोगों को रौंदा

**ज्योति पार्क में तेज रफ्तार कार ने मचाई अफरातफरी**

**नशे में धुत चालक ने छह से अधिक लोगों को टक्कर मारी**

**स्थानीय लोगों ने चालक को पकड़कर पुलिस को सौंपा**

**गुरुग्राम।** होली की खरीदारी के बीच मदनपुरी के ज्योति पार्क इलाके में सोमवार शाम एक तेज रफ्तार कार ने अफरातफरी मचा दी। बलदेव नगर स्थित सब्जी मंडी के पास नशे में बताए जा रहे ब्रेजा कार चालक ने आधा दर्जन से अधिक लोगों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपित चालक मौके से भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया और पिटाई के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के समय बाजार में भारी भीड़ थी। कार अचानक बेकाबू होकर लोगों पर चढ़ गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही घायलों को निजी वाहनों से अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकांश को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया, जबकि दो लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। मामले में घायल बिहार के गुलडीया निवासी सुली की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। घायल सुली ने पुलिस को बताया कि वह गली नंबर-14, नियर हनुमान मंदिर, ज्योति पार्क में किराए पर रहता है और सदर बाजार में काम करता है। सोमवार रात करीब 8:45 बजे वह पैदल घर लौट रहा था, तभी ज्योति पार्क मंडी के पास कार ने पीछे से टक्कर मार दी। उन्हें उपचार के जिला नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

**गाजियाबाद के ट्रांस हिंडन में होली पर निर्बाध बिजली आपूर्ति के दावे निकले हवाई, सुबह से ही शुरू हुई कटौती**

**साहिबाबाद।** विद्युत निगम के अधिकारियों के निर्बाध बिजली आपूर्ति के दावे हवाई निकलते। त्योहार पर भी सुबह से ही बिजली कटौती का सिलसिला हो गया। लोग विद्युत निगम के अधिकारियों से आपूर्ति सामान्य करने की गुहार लगाते रहे, लेकिन स्थिति जस की तस बनी रही। टीला मोड की इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में सुबह करीब आठ बजे ही बिजली कट गई। लोगों ने इसकी शिकायत विद्युत निगम के अधिकारियों से की तो उन्होंने 10 बजे तक आपूर्ति सामान्य होने का आश्वासन दिया। दिए गए समय के भी एक घंटे बाद आपूर्ति हुई। स्थानीय राम आशीष व मनोज वर्मा ने बताया कि सुबह में बिजली कटौती के कारण पानी भी नहीं मिल सका। इससे यहां के करीब 15 हजार लोगों को दिनभर बिन पानी के रहना पड़ा। होली के चलते बहुत ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद भी बिजली का आना-जाना बना रहा। लोगों का कहना है कि बिजली कटौती इस क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या है। रोजाना ही बिजली कटौती होती है।

# दिल्ली एयरपोर्ट पर फंसे यात्रियों को डायल ने दी राहत, मिडिल ईस्ट संकट के बीच मिल रही सुविधाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली।** मध्य पूर्व के संकट के कारण एयरपोर्ट पर फंसे यात्रियों के लिए आईजीआई एयरपोर्ट संचालन एजेंसी डायल ने राहत कार्य शुरू कर दिया है। डायल का कहना है कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं, ताकि इस कठिन समय में उन्हें कम से कम परेशानी हो।

**भोजन और जलपान की व्यवस्था**

एयरपोर्ट प्रशासन ने फंसे हुए यात्रियों के लिए मोबाइल फूड कियोस्क के जरिए 1500 से अधिक पानी की बोतलें, चाय और 500 से ज्यादा रिफ्रेशमेंट पैकेट वितरित किए हैं। इसके अलावा, इंटरनेशनल ट्रांसफर एरिया और डिपार्चर गेट्स पर यात्रियों को गर्म खाना भी परोसा जा रहा है।

**अतिरिक्त स्टाफ और हेल्प डेस्क**

यात्रियों की सहायता के लिए इंटरनेशनल सिक्योरिटी होल्डिंग एरिया और डिपार्चर फोरकोर्ट में दो अतिरिक्त सूचना डेस्क स्थापित किए गए हैं। साथ ही, चेक-इन हाल, बोर्डिंग गेट्स और अराइवल हाल में क्यूआरटी तैनात की गई हैं ताकि भीड़ को संभाला जा सके और यात्रियों के सवालों के जवाब दिए जा सकें।

**स्वास्थ्य और स्वच्छता पर जोर**

यात्रियों के लिए 100 से ज्यादा हाइजीन किट बांटी गई हैं। वाशरूम स्टाफ की संख्या बढ़ा दी गई है ताकि साफ-सफाई बनी रहे। इसके अलावा, किसी भी आपात स्थिति के लिए दो अतिरिक्त मेडिकल टीमें तैनात की गई हैं।

**आराम और विश्राम की सुविधा**

फंसे हुए यात्रियों के लिए टर्मिनल पर 400 से अधिक अतिरिक्त सीटें और रिक्लाइनर (आरामदायक कुर्सियां) लगाई गई हैं। इंटरनेशनल ट्रांसफर एरिया में यात्रियों के लिए नए प्रोसेसिंग जोन भी चालू किए गए हैं।

**सामान की वापसी** रद्द हुई उड़ानों के 3,000 से अधिक बैग यात्रियों को सुरक्षित वापस कर दिए गए हैं, ताकि उन्हें अपने जरूरी सामान के लिए भटकना न पड़े।

## होली पर 'नो ड्रिंक': ग्रेटर नोएडा में 4 मार्च को ड्राई-डे घोषित, दिनभर नहीं मिलेगी शराब

» ग्रेटर नोएडा में होली पर 4 मार्च को 'ड्राई डे'

» जिले की सभी शराब की दुकानें पूर्णतः बंद रहेंगी

» शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु यह निर्णय लिया गया

**ग्रेटर नोएडा।** होली के त्योहार पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए होली के दिन चार मार्च को ड्राइडे घोषित किया गया है। इस दिन जिले की समस्त मदिरा एवं आबकारी अनुज्ञापन पूर्णतः रहेंगे बंद रहेंगे। जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार का कहना है कि समस्त देशी मदिरा, कंपोजिट शाप, भांग फुटकर बिक्री की दुकानें, प्रीमियम रिटेल एवं माडल शाप, बार- एफएल-6,एफएल-7/7 (1)/एफएल-9, सैन्य कैंटीन, अर्द्ध सैनिक कैंटीन चार मार्च को संपूर्ण दिवस बंद रखने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

# दिल्ली के मायापुरी में लूटपाट गिरोह का पर्दाफाश, पांच शातिर बदमाश गिरफ्तार

● मायापुरी पुलिस ने अंतरराज्यीय लूटपाट गिरोह का पर्दाफाश किया

पांच आरोपित गिरफ्तार, अवैध हथियार व चोरी का वाहन बरामद

दो आपराधिक मामले सुलझे, पुलिस की गहन पूछताछ जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**पश्चिमी दिल्ली।** पश्चिमी दिल्ली के मायापुरी थाना पुलिस ने पिस्टल के बल पर लूटपाट करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस गिरोह के पांच आरोपितों को दबोचकर उनके कब्जे से अवैध हथियार और चोरी के वाहन बरामद किए हैं। उपायुक्त डी शरद भास्कर ने बताया कि इस कार्रवाई से पुलिस ने क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ने की कोशिश की है। पकड़े गए आरोपितों पहचान निखिल (23), मोहम्मद आमिर (19), संदीप कश्यप (26), सूरज चौपाल उर्फ चौपाल (21) और रोशन उर्फ कालू (24) के रूप में हुई है।

26 फरवरी को मायापुरी इलाके में लूट की एक वारदात की सूचना मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएचओ मोहिंदर पाल के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई, टीम ने घटनास्थल के आसपास के दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और अपराधियों के भागने के रूट का पता लगाया।

तकनीकी सर्विलांस और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर पांचों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपितों की तलाशी के दौरान उनके कब्जे से एक देसी पिस्टल, 06 जिंदा कारतूस, जनकपुरी इलाके से चोरी की गई एक स्कूटी बरामद की है। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी से दो महत्वपूर्ण आपराधिक मामलों को सुलझाने का दावा किया है। इनमें से एक मामला मायापुरी में हुई हालिया लूट का है, जबकि दूसरा मामला जनकपुरी से स्कूटी चोरी से जुड़ा है। पुलिस अब इन आरोपितों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि इनके अन्य साथियों और पिछली वारदातों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

# फर्जी डॉक्टर के गलत ऑपरेशन के बाद मरीज की मौत, बरेली पुलिस ने दर्ज किया केस

● फर्जी डॉक्टर ने आंतों की जगह अंडकोष का ऑपरेशन किया

गलत ऑपरेशन के बाद मरीज अजय की हालत बिगड़ी, हुई मौत

फर्जी डॉक्टर जयवीर पर लापरवाही से मौत की धारा बढ़ी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बरेली।** मरीज अजय की आंतों में समस्या होने पर फर्जी डॉक्टर ने उनके टेस्टिस का ऑपरेशन कर दिया था। इसके बाद उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। स्वजन उन्हें पीजीआई लेकर पहुंचे तो गलत ऑपरेशन की जानकारी हुई। मामले में उन्होंने फर्जी डाक्टर जयवीर के विरुद्ध प्राथमिकी लिखाई थी साथ ही सीएमओ की तरफ से भी एक प्राथमिकी जयवीर पर पंजीकृत कराई गई। मंगलवार को अजय ने दम तोड़ दिया।

**एक महीने पहले हुआ पेट में दर्द**

बारादरी के डोहरा गौटिया निवासी अजय के एक माह पूर्व पेट में दर्द हुआ था। उनके पिता शिशुपाल उन्हें सनराइज कॉलोनी निवासी फर्जी डॉक्टर जयवीर के यहां लेकर पहुंचे। जयवीर ने देखने के बाद कहा कि कोई बड़ी बीमारी नहीं है। एक छोटा सा चीरा लगाकर वह उसे ठीक कर देंगे। बदले में उन्होंने करीब 25 हजार रुपए भी लिए थे।

**ऑपरेशन के बाद बिगड़ी तबीयत**

आरोप है कि जयवीर ने अजय के टेस्टिस का ऑपरेशन कर दिया, जिससे उनकी हालत और बिगड़ गई। पुलिस ने पूर्व में दर्ज मुकदमों में लापरवाही से मौत की धारा भी बढ़ाई है।

## गाजियाबाद में अवैध संबंध के शक में पति ने पत्नी को चाकू से गोदा, बेटी भी घायल

**लोनी।** अंकुर विहार थाना क्षेत्र के डीएलएफ अंकुर में व्यक्ति ने चाकू से हमला कर पत्नी की हत्या कर दी। हत्यारोपित ने गर्दन के साथ पेट व छाती पर चाकू से छह वार किए। बीच बचाव करने पहुंची बेटी के भी पेट में चाकू लगने से घायल हो गई। घटना की जानकारी आरोपित ने पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवती को अस्पताल में भर्ती कर महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही हत्यारोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ की।पूछताछ में आरोपित ने बताया कि अवैध संबंध के शक में उसने वारदात को अंजाम दिया। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंच कर जांच की। **क्या है पूरा मामला?** मूलरूप से राजस्थान का रहने वाला घनश्याम पत्नी मीनू और तीन बच्चे भावना,हिमांशी, और दिवांग के साथ डीएलएफ अंकुर विहार स्थित तीन मंजिला फ्लैट के प्रथम तल पर किराए पर रहता है। वह इंटीरियल का काम करता है। पत्नी मीनू (50) दिल्ली रोज बाग स्थित एक घर में पिछले छह वर्षों से सहायिका का काम करती थी। वह अक्सर 15 बीस दिन में घर आती थी। उसे शक था कि उसकी पत्नी का किसी युवक के साथ अवैध संबंध है। इसको लेकर दोनों के बीच कई बार झगड़े हो चुके थे। मंगलवार दोपहर को भी इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था।

# मिडिल ईस्ट संकट: दिल्ली में 80 फ्लाइट्स कैंसिल, बुधवार से शुरू हो सकती हैं नियमित उड़ानें

● एअर इंडिया, इंडिगो, स्पाइसजेट पर टिकी निगाहें

बुधवार से सामान्य होने की उम्मीद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली।** मिडिल ईस्ट संकट के बीच मंगलवार को भी उड़ानों के रद होने का सिलसिला जारी रहा। कुल 80 रद उड़ानों में 36 प्रस्थान की व 46 आगमन की उड़ानें शामिल रहीं। उड़ानों का सिलसिला कब से शुरू हो सकता है, अनिश्चितता के बादल कब हटेंगे, इसे लेकर कोई भी पुख्ता तौर पर कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। एयरलाइंस से जुड़े लोगों का कहना था कि यात्रियों व क्रू की सुरक्षा सर्वोपरि है। खाड़ी देशों के हालात कभी भी तेजी से बदल सकते हैं, ऐसे में कोई भी निर्णय लेने से पहले कई बातों को ध्यान रखना होगा, जो काफी जटिल है।

**फिलहाल केवल विदेशी एयरलाइंस का ही सहारा**

संकट की इस घड़ी में यात्रियों के लिए ओमान एयर, एमिरेट्स व एतिहाद की उड़ानें ही एकमात्र विकल्प नजर आती है। तीनों एयरलाइंस अभी दुबई, मस्कट व अबुधाबी से अपनी अपनी उड़ानें संचालित कर रही हैं। यात्रियों की आवाजाही भी हो रही है, लेकिन इनका स्पष्ट कहना है कि उड़ानों के संचालन को अभी सामान्य नहीं कहा जा सकता है। केवल विशेष परिस्थिति के लिए ऐसा किया जा रहा है।

हालात सामान्य हुए तब तो इन्हें जारी रखा जाएगा, अन्यथा इसे निलंबित भी किया जा सकता है। हालांकि विदेशी एयरलाइंस की उड़ानें शुरु होने से कनेक्टिंग उड़ान वाले यात्रियों को काफी राहत मिली है। मंगलवार को कई विदेशी यात्रियों ने इन एयरलाइंस की सेवाएं लीं और दुबई के लिए रवाना हुए।

**एअर इंडिया, इंडिगो, स्पाइसजेट पर टिकी निगाहें**

एअर इंडिया का कहना है कि सुरक्षा हालात को देखते हुए स्थिति की समीक्षा की जा रही है। मंगलवार को दो विशेष उड़ानों के बाद अब बुधवार को लेकर सभी की उम्मीदें हैं। इंडिगो का कहना है कि सुरक्षा पहली प्राथमिकता है। उड़ानें तभी शुरू की जा रही हैं जब हवाई मार्ग पूरी तरह सुरक्षित हो।

इनका कहना है कि हवाई क्षेत्र की स्थिति को देखते हुए धीरे-धीरे चुनिंदा उड़ानों को फिर से शुरू कर रहे हैं। फिलहाल मस्कट, एथेंस, जेद्दा और मदीना जैसे रूटों पर सेवाएं बहाल की जा रही हैं। यूएई से और अधिक निकासी उड़ानें चलाने की तैयारी है। स्पाइसजेट का कहना है कि यूएई में फंसे भारतीयों की घर वापसी के लिए स्पाइसजेट विशेष उड़ानों का संचालन करेगी।

# 'मिसाइल अलॉर्म की आवाज सोने नहीं देती थी', मिडिल ईस्ट से लौटे भारतीयों ने बयां किए वहां के हालात

● साइरन के शोर के बीच गिराए जा रहे थे ईरान की मिसाइलें व ड्रोन

● मिसाइल अलार्म की आवाज और दहशत का अनुभव साझा किया

● एमिरेट्स, ओमान एयर व एअर इंडिया ने संचालित की अपनी अपनी उड़ानें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली।** एतिहाद के बाद अब एमिरेट्स व ओमान एयर ने भी नई दिल्ली के लिए अपनी उड़ान सेवाओं को बहाल कर दिया है। सोमवार रात अबुधाबी से पहुंची उड़ान के बाद मंगलवार को चार उड़ानें नई दिल्ली पहुंची। इनमें दो उड़ान दुबई से और दो उड़ानें ओमान की राजधानी मस्कट से पहुंची। इन उड़ानों से अलग अलग समय पहुंचे यात्रियों का जत्था आईजीआई एयरपोर्ट से जब बाहर निकलता तब इनके चेहरे पर अपनों से मिलने की खुशी और युद्ध के मंजर की दहशत, दोनों साफ झलकती दिखी।

**तीनों उड़ानों से करीब 800 यात्री पहुंचे**

सबसे पहले दुबई से एमिरेट्स की उड़ान देर रात करीब दो बजे एयरपोर्ट पर उतरी। इसके बाद पौने नौ बजे ओमान एयर का विमान मस्कट से आइजीआइ एयरपोर्ट के रनवे पर उतरा। इसके करीब चार घंटे बाद ओमान एयर का ही एक और विमान मस्कट से भारतीय यात्रियों को लेकर आया। तीनों उड़ानों की बात करें तो करीब 800 यात्री इनसे पहुंचे। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच छिड़ी भीषण जंग के बीच, मौत के साये से निकलकर जब ये यात्री आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल से बाहर निकल रहे थे तो, यात्री से ज्यादा उनका इंतजार कर रहे उनके स्वजन ज्यादा भावुक नजर आ रहे थे।

स्वजन का कहना था कि जब से संकट की शुरुआत हुई, तब से उनके लिए एक एक पल बिताना भारी पड़ रहा था। वहीं यात्रियों का कहना था कि युद्ध के कारण दुबई में तनाव तो है, लेकिन वहां के हालात इतने भी चिंताजनक नहीं है, जितने यहां लोग समझ रहे हैं।

**'युद्ध के बारे में केवल सुना था, देखा पहली बार'**

शुभम नोएडा के रहने वाले हैं और दुबई छुट्टियां मनाने गए थे। वे बताते हैं कि हमने कभी सोचा भी नहीं था कि दुबई में हालात ऐसे होंगे। युद्ध के बारे में आजतक केवल सुना था, लेकिन वहां आंख के सामने युद्ध होता देखा। आसमान से कब कहां मिसाइल या ड्रोन गिर जाए किसी को नहीं पता। डर तो लगता था, लेकिन दुबई के एयर डिफेंस की ताकत ऐसी है कि ईरान के अधिकांश ड्रोन व मिसाइल हवा में ही इंटरसेप्ट कर लिए जाते थे। जमीन पर केवल इंटरसेप्ट किए गए मिसाइल या ड्रोन का मलबा गिर रहा था। इस बीच लोग मलबे के गिरने की संभावित जगह का अंदाजा लगाकर वहां से दूर हो जाते थे। अब नई दिल्ली पहुंचकर घर में जो सुरक्षा का अहसास होता है, वह हो रहा है।

**रात में मिसाइल अलॉर्म की आवाज सोने नहीं देती थी**

दुबई से ओमान में दाखिल हो मस्कट से नई दिल्ली पहुंचने वाले पीयूष का कहना है कि दुबई में ऐसे तो सबकुछ सही है, लेकिन मिसाइलों को जब इंटरसेप्ट किया जाता है और उससे तेज आवाज निकलती है, वह सुनना काफी भयावह अनुभव रहा। इंटरसेप्ट के बाद जहां मिसाइल या ड्रोन का मलबा गिरता है, वहां आसपास के इलाके में साइरन बजना शुरू हो जाता है।

एयर डिफेंस के साइरन का शोर जीवन का पहला अनुभव रहा। इस अनुभव को मैं दोबारा सुनना बिल्कुल नहीं चाहूंगा। पीयूष बताते हैं कि दुबई से टैक्सी लेकर ओमान बार्डर के लिए कैब से किया गया सफर सही रहा, लेकिन डर तो लगता है। रात में मिसाइल अलार्म की आवाज सोने नहीं देती थी।

**एक लाख रुपये में खरीदा टिकट**

यात्री वरुण भी ओमान की राजधानी मस्कट से नई दिल्ली लौटने वाले यात्रियों के जत्थे में थे। वरुण कहते हैं कि वहां के हालात ऐसे हैं कि फिलहाल हर कोई अपने अपने वतन लौटना चाहता है। मैं खुशनसीब हूं कि मुझे उड़ान मिली और मैंने मुंहमांगी रकम देकर टिकट बुक कराई। मस्कट से यहां तक आने में करीब एक लाख रुपये खर्च हुए। सरकार को कोशिश करनी चाहिए कि वहां फंसे सभी भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द निकालकर स्वदेश वापस लाया जाए।

**तत्परता से लोग कर रहे मदद**

चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल की बेटी सौम्या खंडेलवाल भी व्यापारिक कार्य से पिछले तीन दिनों से दुबई में फंसी हुई थी, लेकिन मंगलवार सुबह सुरक्षित लौट आई हैं। उन्होंने बताया कि वहां न केवल भारतीय समुदाय बल्कि दुबई के स्थानीय नागरिक भी लोगों की सहायता के लिए पूरी तत्परता से आगे आ रहे थे। युद्ध की परिस्थितियों के बावजूद, सुरक्षा संबंधी आवश्यक सावधानियों को छोड़ दें तो जीवन सामान्य रूप से चलता हुआ दिखाई दिया। भारतीय दूतावास और भारतीय मिशन भी लगातार ऐसे सभी लोगों के संपर्क में रहे और यथासंभव सहायता प्रदान करते रहे।

**एअर इंडिया के पहुंचे दो विशेष विमान**

तनावपूर्ण हालातों के बीच एअर इंडिया ने दुबई में फंसे भारतीय यात्रियों और क्रू सदस्यों की सुरक्षित वतन वापसी कराई है। मंगलवार दिन में करीब 11 बजे विशेष विमान इनका पहला विशेष विमान करीब 150 यात्रियों को लेकर आईजीआई एयरपोर्ट पर उतरा। इससे पहले दुबई में फंसे एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के 143 काकपिट और केबिन क्रू सदस्यों को भी विशेष विमान एआइ918डी के जरिए सुरक्षित दिल्ली लाया गया।

# नोएडा में होली पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, 13 हॉटस्पॉट पर 7 मिनट में पहुंचेगी एंबुलेंस; पूरी लिस्ट

● नोएडा में होली के लिए 13 हॉटस्पॉट बनाए गए।

आपात स्थिति में 108 और 102 एंबुलेंस 7 मिनट में।

गर्भवती महिलाओं और दो वर्ष तक के बच्चों को 102 सेवा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नोएडा।** स्वास्थ्य विभाग ने रंगोत्सव के दिन लोगों की खुशियों में किसी प्रकार की खलल न पड़े और आपात स्थिति में तत्काल स्वास्थ्य सहायता पहुंचाने के लिए जिले में 13 हाटस्पाट तैयार किए हैं। इन पर जरूरतमंद व्यक्ति को एक काल पर सात मिनट में 102 और 108 एंबुलेंस सेवा पहुंचाने की व्यवस्था बनाई है। ईएमआरआइ ग्रीन हेल्थ सर्विसेस के प्रोग्राम मैनेजर ने होली के दौरान 108 व 102 एंबुलेंस सेवाएं 24 घंटे हाई अलर्ट पर रखी हैं।

मैनेजर शेखर कुमार चौधरी ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देश पर जो 13 हाटस्पाट बनाए गए हैं। 102 और 108 एंबुलेंस सेवा के चालक व ईएमटी स्टाफ को स्पष्ट निर्देश हैं कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 24/7 निर्बाध एंबुलेंस सेवाएं सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है।

**कम समय में मिलेगी सेवा**

त्योहार के दिन 108 एंबुलेंस रूप से चिह्नित विशेष स्थान, दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र व थानों के पास मौजूद रहेंगी, जिससे आपात स्थिति में मरीजों को एंबुलेंस न्यूनतम समय में अस्पताल पहुंचा कर चिकित्सा सहायता दिलाएंगी। प्रबंधक आरएम निहाल रजा के मुताबिक, जरूरतमंद व्यक्ति को कम समय में एंबुलेंस सुविधा देकर जान बचाना पहली प्राथमिकता है। एंबुलेंस में स्टाफ, आक्सीजन, दवा व अन्य उपकरणें उपलब्ध करा दी हैं। सड़क या अन्य दुर्घटना, जलने, हार्ट, सांस, लिवर, किडनी, पेट दर्द, स्किन से संबंधित समस्या पर 108 सेवा की एंबुलेंस मिलेगी। वहीं, गर्भवती महिलाओं व दो वर्ष तक बच्चों को सेवा के लिए 102 एंबुलेंस तैनात की हैं।

**एंबुलेंस 108 के हाटस्पाट**

1. थाना बादल पुर, 2. थाना दादरी, 3. बिसरख थाना, 4. छिजारसी थाना, 5. भंगेल सीएचसी

6. सेक्टर-39 जिला अस्पताल, 7. सीएचसी दाढ़ा, 8. जिम्स ग्रेटर नोएडा, 9. इकोटेक थाना, 10. स्पोर्ट सिटी, 11. रघुपुरा, 12. जेवर, 13. एलजी गोल चक्कर

# गुरुग्राम पुलिस की अनोखी मिसाल, ठगी की रकम से खरीदी कार कुर्क कर पीड़ित को दिलाया सीधा मुआवजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**गुरुग्राम।** वित्तीय अपराध के एक मामले में गुरुग्राम पुलिस ने एक अनोखी पहल करते हुए देश में पहली बार अपराध की आय से पीड़ित को सीधे मुआवजा दिलाया है। मामला थाना सेक्टर-10ए में दर्ज हुआ, जिसमें आरोपी ने पीड़ित से 14 लाख 50 हजार रुपये ठगे और उसी रकम से वोक्सवैगन वर्टस कार खरीद ली। मंगलवार को पत्रकारवार्ता के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त पश्चिम अभिलाक्ष जोशी ने बताया कि जांच में यह स्पष्ट हुआ कि कार पूरी तरह अपराध से अर्जित धनराशि से खरीदी गई थी। इसके बाद पुलिस ने बीएनएसएस 2023 की धारा 107(1) के तहत न्यायालय में वाहन कुर्क करने का आवेदन किया।

**क्या है पूरा मामला?**

सुनवाई के दौरान आरोपित ने स्वीकार किया कि कार अपराध की आय से खरीदी गई है। इस पर न्यायालय ने बीती 21 जनवरी को कुर्की आदेश पारित कर दिया। आदेश के अनुपालन में जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से धारा 107(6) और 107(7) के तहत नीलामी प्रक्रिया शुरू की गई। डीसी कार्यालय की ओर से सार्वजनिक सूचना जारी कर वाहन की ई-नीलामी सरकारी ई-ऑक्शन इंडिया पोर्टल पर कराई गई। नीलामी में कार की उच्चतम बोली 11 लाख 30 हजार रुपये लगी। इसके बाद आगामी कार्रवाई के तहत बीती 26 फरवरी को सफल बोलीदाता द्वारा उक्त राशि का चेक न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जिसे सीधे पीड़ित को प्रदान कर दिया गया। गुरुग्राम पुलिस की यह कार्रवाई नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन और पीड़ित-केंद्रित न्याय की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह माडल भविष्य में वित्तीय अपराधों में त्वरित राहत दिलाने की राह प्रशस्त करेगा।